विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, सोमवार, 23 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 169 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

ज्ञानामृत

यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं, मगर ऐसे लोग कभी तैरना भी नहीं सीख पाते।

▶▶ वल्लभभाई पटेल

अमेरिका ने ईरान के एटमी ठिकानों पर किया हमला

अमरीकी बी-2 बॉम्बर ने ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बरसाए बम

- पश्चिम एशिया में और बिगड़े हालात
- पेंटागन बोला- अमेरिका ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर गिराए 14 बंकर-बस्टर बम
- सऊदी अरब ने अमेरिकी हमलों के बाद ईरान से संयम बरतने को कहा
- पाकिस्तान ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की निंदा की
- ईरान ने अमेरिका-यूरोप पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया
- रूस बोला- यही हाल रहा तो ट्रम्प को कभी नोबेल नहीं मिलेगा
- अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- ईरान ने हमला किया, तो करारा जवाब देंगे

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्राफ्ट शामिल थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर करीब 1400 किलो वजनी बस्टर बम गिराए। ट्रम्प बोले- ईरान के न्यूक्लियर साइट्स तबाह किए इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स 'obliterate' यानी कि पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

125 जेट भेजे, इनमें 7 बी-2 बॉम्बर

ईरान में अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत

इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 10वां दिन है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिकों के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 21 जून तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर', 125 से ज्यादा जेट्स शामिल

अमेरिका में जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ चीफ जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' था। इसमें 125 से ज्यादा विमान शामिल थे। इसमें 7 स्टील्थ क्रू-2 बॉम्बर्स शामिल हुए। क्रू-2 बॉम्बर्स ने इन विमानों ने ईरान की फोर्डो और नतांज परमाणु साइटों पर करीब 1400 किलो के भारी बम गिराए। वहीं, इस्फहान पर टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं। जनरल केन ने बताया कि इस मिशन में धोखे की रणनीति भी अपनाई गई। कुछ बमवर्षक विमानों को प्रशांत महासागर की ओर भेजा गया, ताकि ईरान को लगे कि हमला उधर से होगा, जबकि असली हमला दूसरी दिशा से किया गया।

हमले के बाद अमेरिकी शहरों में सुरक्षा बढ़ाई गई

ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डीसी समेत अमेरिका के कई बड़े शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने कहा कि वे ईरान की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। इसी तरह, वॉशिंगटन डी.सी. की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने भी कहा कि वे हालात पर करीबी नजर रख रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर खुफिया जानकारी साझा कर रहे हैं।

इजराइल में 7 जुलाई तक सभी फ्लाइट्स कैंसिल की

इजराइली एयरलाइन ने 7 जुलाई तक सभी फ्लाइट्स की टिकट बिक्री पर रोक लगा दी है। कंपनी ने कहा है कि जिन यात्रियों ने 7 जुलाई तक की फ्लाइट्स की बुकिंग कर रखी है, वे बिना किसी पैसे की कटौती के अपनी यात्रा कैंसिल कर सकते हैं। ऐसे यात्रियों को पूरे टिकट मूल्य का क्रेडिट वाउचर मिलेगा, जिसे अगले दो सालों तक कभी भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

खतरनाक जंग की शुरुआत कर रहा अमेरिका: ईरान

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने उसके परमाणु ठिकानों पर हमला करके अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन किया है। यह हमला उस समय हुआ जब कूटनीतिक बातचीत चल रही थी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह इजराइल जैसे आक्रामक देश का साथ देकर एक खतरनाक जंग की शुरुआत कर रहा है।

ट्रम्प बोले- ईरान के न्यूक्लियर साइट्स तबाह किए

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स 'obliterate' यानी कि पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- अब पुतिन से मिलेंगे

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि वह रविवार को रूस की राजधानी मॉस्को जाएंगे और वहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में वे क्षेत्रीय हालात और अमेरिका के हमलों के बाद की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अमेरिकी बमबारी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन: ईरानी परमाणु एजेंसी

ईरान के 'एटॉमिक एनर्जी ऑर्गेनाइजेशन' ने कहा है कि उसकी न्यूक्लियर साइट्स पर हमले 'अंतरराष्ट्रीय कानून' का उल्लंघन है। हालांकि, ऑर्गेनाइजेशन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के फोर्डो, एस्फाहान और नतांज परमाणु स्थलों पर हमले किए। यह हमला रविवार सुबह 4.30 बजे (भारतीय समय के अनुसार) हुआ। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अपने 'नेशनल इंडस्ट्री' के काम को नहीं रोकेगा, जो देश के न्यूक्लियर डेवलपमेंट के लिए बेहद जरूरी है।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि ईरान के राष्ट्रपति से बात की। हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में हुई बढ़े तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। आगे बढ़ने के लिए तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के लिए अपना आह्वान दोहराया और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली की मांग की।

इजराइली राष्ट्रपति बोले- अमेरिका का हमला ऐतिहासिक

इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने अमेरिका के ईरान पर किए गए हमले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प के बयान अमेरिका और इजराइल के बीच गहरे और साहसी रिश्तों को दिखाते हैं। हालांकि, हर्जोग ने चेतावनी दी कि अभी लड़ाई खत्म नहीं हुई है।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- अमेरिका का चेहरा बेनकाब हुआ

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका पर ईरान के खिलाफ हमलों का मुख्य जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। पजशकियान ने कहा कि अमेरिका हमेशा हमले के पीछे रहा, लेकिन ईरान की सेनाओं के आगे और इजराइल के कमजोर पड़ने पर अमेरिका का चेहरा बेनकाब हो गया।

अमेरिकी एयर स्ट्राइक के बाद ईरान का इजरायल पर हमला, दागीं 30 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल

अमेरिका की एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि ईरान ने रविवार सुबह इजरायल पर 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इन हमलों में करीब 16 लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) के अनुसार इन मिसाइल हमलों में दो बच्चे भी मामूली रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तेल अवीव के इचिलोव मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। इजरायली मीडिया ने सेंट्रल इजरायल में धमाकों की जानकारी दी है। यहां कई शहरों में सिविल डिफेंस टीम और आपातकालीन सेवाएं तैनात की गई हैं। कई क्षेत्रों में इमारतों पर हमला किया गया है, लेकिन हताहतों या बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की पूरी जानकारी अभी तक नहीं मिली।

नक्सलवाद के खिलाफ शाह की हुंकार, बोले-

मानसून में माओवादियों को नहीं मिलेगा चैन, जारी रहेगा एंटी नक्सल ऑपरेशन

विजय मत, रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। अमित शाह ने नया रायपुर सेक्टर 2 में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री परिसर का शिलान्यास किया। अमित शाह ने एनएफएसयू रायपुर के स्थाई परिसर का भी उद्घाटन किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बारिश के मौसम में भी पूरे बस्तर में एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी रहेगा। अमित शाह ने साफ किया कि हम मानसून के दौरान किसी भी तरह की ढिलाई नक्सलियों को नहीं देंगे। अमित शाह के बयान से ये साफ हो गया है कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों हर हाल में तय समय सीमा 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के सफाए को लेकर प्रतिबद्ध है और उसी दिशा में काम कर रही है।

क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाना: गृहमंत्री शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ साथ नया रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन और केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरुआत की। कुल 268 करोड़ की लागत से ये संस्थान विकसित किए जाएंगे। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में एडमिशन लेंगे।

आत्मनिर्भर बनेगा भारत

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बताया कि देशभर में एनएफएसयू के 16 परिसरों की स्थापना हो चुकी है और 10 अन्य प्रस्तावित हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एक हालिया सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 तक फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी का वैश्विक बाजार 55 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा और उसमें भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी।

भारत को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि आज एक साथ तीन महत्वपूर्ण संस्थानों की नींव रखी गई। ये संस्थान प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनएफएसयू विश्व का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जो फॉरेंसिक साइंस, साइबर सुरक्षा, व्यवहार विज्ञान जैसे विषयों के अध्ययन के लिए पूर्णत: समर्पित है। इसका रायपुर परिसर नया रायपुर को एक उभरते हुए राष्ट्रीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह संस्थान न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान का सशक्त आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बंजारी, नया रायपुर में विश्वविद्यालय के लिए 40 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है और ट्रांजिट कैंपस को समय पर तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कैंपस में फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी सहित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। साइबर क्राइम, सड़क दुर्घटना विश्लेषण, मादक पदार्थों की जांच जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण से राज्य की कानून व्यवस्था को बल मिलेगा।

प्रभावी तौर पर लागू होंगे नए कानून

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में लगभग एक सदी बाद तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं। एनएफएसयू जैसे संस्थान इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु पुलिस बल और जांच एजेंसियों को आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करा रही है, जिसकी सतत निगरानी भी की जा रही है।

क्रांतिकारी बदलाव होगा: विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एनएफएसयू का रायपुर परिसर न केवल प्रशिक्षण बल्कि फॉरेंसिक अनुसंधान और इन्वेस्टिगेशन में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। गृहमंत्री का भी प्रभार देख रहे विजय शर्मा ने कहा कि यह संस्थान न केवल पढ़ाई, शोध, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र बनेगा बल्कि भारत में ही फॉरेंसिक साइंस से जुड़े उपकरणों के नवाचार और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। विजय शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएफएसयू के लिए जमीन आवंटित की है और निर्माण कार्य भी शीघ्र आरंभ होने वाला है। इस परिसर में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, और यह फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी एवं विभिन्न शॉर्ट टर्म कोर्सेस में युवाओं को एक्सपर्ट बनाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिका सुरक्षा संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन में फॉरेंसिक प्रणाली की भूमिका अहम है।

विवाहित महिला का पासपोर्ट बनाने के लिए पति की अनुमति ज़रूरी नहीं: कोर्ट

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी विवाहित महिला को पासपोर्ट के लिए अपने पति की सहमति और हस्ताक्षर की जरूरत नहीं होती, और इसके लिए ज़ोर देना 'पुरुष वर्चस्ववाद' को बढ़ावा देता है। यह टिप्पणी जस्टिस एन। आनंद वेंकटेश की पीठ ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए दी जिसमें उसने पासपोर्ट जारी करने के निर्देश की मांग की थी। अदालत ने चेन्नई के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) द्वारा महिला से उसके पति की अनुमति और फॉर्म-जे पर हस्ताक्षर मांगने को 'चौंकाने वाला' करार दिया। जस्टिस वेंकटेश ने कहा कि यह रवैया दर्शाता है कि 'हमारा समाज विवाहित महिलाओं को अब भी पति की संपत्ति के रूप में देखने की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया है।' याचिकाकर्ता रेवती ने बताया कि उन्होंने अप्रैल में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन आगे नहीं बढ़ाया गया। उन्हें बताया गया कि जब तक वह फॉर्म-जे पर अपने पति के हस्ताक्षर नहीं लातीं, तब तक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती। रेवती की शादी साल 2023 में हुई थी। बाद में पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पति ने शादी को खत्म करने के लिए स्थानीय अदालत में अर्जी दी। यह मामला अभी अदालत में लंबित है।

पहलगाम हमले के आतंकवादियों को पनाह देने वाले 2 गुनहगार गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। संघीय एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। बता दें कि इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। एनआईए के अनुसार, बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में संलिप्त तीन हथियारबंद आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है। एनआईए ने कहा कि उन्होंने यह पुष्टि भी की है कि हमलावर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक हैं। एनआईए ने कहा, ''परवेज और बशीर ने हमले से पहले तीन हथियारबंद आतंकवादियों को हिल पार्क में ढोक (झोपड़ी) में पनाह दी थी।'' एजेंसी के अनुसार दोनों लोगों ने आतंकवादियों को खाना, आश्रय और उन्हें लाने ले जाने में सहायता प्रदान की थी। इन आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पर्यटकों से उनका धर्म पूछने के बाद हत्या कर दी थी। एनआईए ने दोनों को विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने कहा कि कहा कि मामले में जांच जारी है।

एनआईए को बड़ी कामयाबी

हिल पार्क में ढोक (झोपड़ी) में दी थी पनाह

विजय मत एंकर दंतेवाड़ा जिले के अति संवेदनशील क्षेत्र के बच्चों ने बताया 'हालात नहीं, हौसले तय करते हैं मंज़िल'

सरकारी प्रयास बने संबल : मजदूर की बेटी और किसान का बेटा बनेंगे डॉक्टर

विजय मत, ब्यूरो दंतेवाड़ा

'मैं डॉक्टर बनकर अपने गांव की सेवा करना चाहती हूं।' आंखों में आत्मविश्वास और दिल में सेवा की भावना लिए रत्ना रामू जब यह बात कहती हैं, तो सिर्फ एक छात्रा नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की उम्मीद बनकर उभरती हैं। वहीं चिकपाल गांव के संतोष पोडियम का सपना है-'मैं अपने गांव का पहला डॉक्टर बनूंगा।' ये वो आवाजें हैं, जो कभी नक्सलवाद की खामोशी में दबा दी जाती थीं, मगर अब नए युग की शुरुआत की दस्तक दे रही हैं। दंतेवाड़ा जिले के अति नक्सल प्रभावित इलाकों से आने वाले रत्ना और संतोष उन चार होनहार विद्यार्थियों में शामिल हैं, जिन्होंने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है और अब उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट मिलना तय है।

रत्ना मरकाम

समीर

संतोष पोडियम

इंद्र कुमार

संघर्ष से सफलता तक

रत्ना मरकाम, ग्राम धूरली की रहने वाली हैं। उनके माता-पिता मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। रत्ना का कहना है कि "डॉक्टर बनने का सपना बचपन से देखा है। गांव में अस्पताल नहीं है। किसी के बीमार होने पर उन्हें जिला मुख्यालय तक ले जाना पड़ता है, जो बहुत मुश्किल होता है। मैं चाहती हूं कि यहीं रहकर अपने लोगों की सेवा कर सकूं।" **दूसरी ओर, संतोष पोडियम** चिकपाल गांव के हैं। पिता का साया बचपन में ही उठ गया। मां ने खेती-किसानी कर उन्हें पाला और 'छू लो आसमान' संस्था में दाखिला दिलाया। संतोष कहते हैं, "हमने बचपन से ही नक्सलवाद का असर झेला है, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। अब मेरा सपना डॉक्टर बनकर गांव लौटकर वहीं प्रैक्टिस करना है।"

जब सपनों को मिली उड़ान

'छू लो आसमान' नामक आवासीय कोचिंग संस्था से पढ़ाई करने वाले इन चार छात्रों में समीर (गुड्डीपारा, मेटापाल) ने नीट में 343 अंक, इंद्र कुमार (लालागुड़ा, बस्तानार) ने 336 अंक, संतोष पोडियम ने 336 अंक और रत्ना रामू ने 334 अंक प्राप्त किए हैं। इन चारों की सफलता साबित करती है कि अगर सही दिशा, संसाधन और प्रेरणा मिले, तो कोई भी बच्चा अपने सपनों को पंख दे सकता है।

सरकारी प्रयास बने संबल

दंतेवाड़ा जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा छू लो आसमान आवासीय परिसर, इन बच्चों की सफलता की आधारशिला है। राज्य सरकार के विकास, विश्वास और सुरक्षा मंत्र के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में यह प्रयास लगातार चल रहे हैं। ये सफलताएं सिर्फ व्यक्तिगत नहीं हैं – ये उस बदलाव की गवाही हैं, जो अब दंतेवाड़ा की धरती पर आकार ले रहा है। जहां कभी असुरक्षा, डर और हिंसा की छाया थी, वहां अब बच्चों की आंखों में उम्मीदें, होंठों पर मुस्कान और हाथों में किताबें हैं।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

रात के अंधेरे में काला कारोबार, नही बनाया गया कॉन्क्रीट का दीवाल

जिले में रेत माफिया बेखौफ, धड़ल्ले से कर रहे अवैध रेत उत्खनन व परिवहन

विजय मत, गरियाबंद

जिले में बेखौफ रेत माफिया अवैध रेत उत्खनन पूरे दबंगई से कर रहे है जिनके आगे जिला प्रशासन सुस्त लग रहा है, हाल ही में पत्रकार अवैध रेत उत्खनन के खबर कवरेज करने पितईबंद गए थे तो माफियाओं ने जान लेवा हमला कर दिए पत्रकारों ने विरोध जाता आरोपी गिरफ़्तार हुए प्रशासन ने सभी अवैध रेत खदान को बंद कराने व कार्यवाही करने का बात कही, कलेक्टर ने अवैध रेत उत्खनन परिवहन रोकने राजस्व, वन विभाग, खनिज विभाग की संयुक्त टॉक्स फोर्स टीम बनाया है इसके बावजूद पितईबंद, चौबेबांधा में धड़ल्ले से अवैध रेत खनन कर महानदी को बर्बाद कर रहे है। प्रशासन के सुस्त रवैये के चलते रेत माफियाओं के हौसले बुलंद है देर

रात 11 बजे के बाद हाइवा का रेला राजिम में लगा दिखा खबर मिली की रात 12 के बाद पितईबंद और चौबेबन्धा रेत घाट में चैनमाउंटेंन लगा कर रात भर रेत खनन व परिवहन करते है जब कि जिले में एक भी स्वीकृत रेत खदान नही है ऐसा लगता है रेत माफिया को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है यही वजह है इन पर कोई ठोस कार्यवाही नही हो रहा है जिसके चलते माफिया प्रशासन के नाक के नीचे से रेत उत्खनन करवा रहे है।

खनिज विभाग द्वारा रेत माफियाओं के चैनमाउंटेन को शील तो किया जाता है पर इससे माफियाओं कोई फर्क नही पड़ता दूसरे दिन दूसरा चैनमाउंटेन मशीन लाकर रेत उत्खन करते है, पत्रकारों पर हमला के बाद जिला प्रशासन ने अवैध रेत घाटों में बने रास्तों पर कांक्रीट के दीवाल बनाने की बात कही थी कुछ जगह खोदाई किया गया लेकिन कंक्रीट के दीवाल नही बनाया गया जिसका खूब फायदा रेत माफिया उठा रहे है।

सचिन बघेल ने ढाबा सोसाइटी धान खरीदी केंद्र में किया वृक्षा रोपण

ढाबा सोसाइटी अध्यक्ष कृष्णा देवी श्रोती कार्यक्रम में हुई शामिल

विजय मत, राजनांदगांव

धान खरीदी केंद्रों को हरा भरा बनाने जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल के द्वारा वृक्षारोपण महा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान अंतर्गत जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल के द्वारा वृक्षा रोपण की अपील की है। इस अभियान के अंतर्गत आज ढाबा सोसाइटी के मोहारा स्थित धान खरीदी केंद्र में वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया गया है।

जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल के आतिथ्य एवं ढाबा सोसाइटी की अध्यक्ष कृष्णा देवी श्रोती की उपस्थिति में समिति अंतर्गत कृषक सदस्यों के द्वारा 25 वृक्षों का रोपण किया गया गया। मोहारा धान खरीदी केंद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल जी ,ढाबा सोसाइटी की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा देवी श्रोती जी, मोहारा वार्ड पार्षद आलोक श्रोती,किसान नेता अलख चंद्राकर, भाजपा नेता रोहित चंद्राकर, ग्रामीण मंडल

धान खरीदी केंद्रों को हरा भरा बनाने वृक्षारोपण अभियान से जुडने सचिन बघेल ने की अपील

अध्यक्ष मनोज साहू,रामकुमार देवांगन, परशु प्रजापति,मोहन तिवारी,लक्ष्मण प्रजापति, सोहन प्रजापति,लक्की देवांगन, रूपेंद्र शर्मा, लेखु सिंहा,खेलन सोनकर, राजेंद्र सिन्हा,भागबली सिन्हा,समिति प्रबंधक हुपेंद्र देशमुख सहित समिति कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सार समाचार

सेजस विद्यालय दुधली में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बालोद । सेजस विद्यालय दुधली में 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस प्राचार्य दुर्गेश नंदिनी यादव के निर्देशन में मनाया गया जिसमे प्राथमिक शाला दुधली, माध्यमिक शाला दुधली , सेजस दुधली के स्टाफ एवम छात्र छात्रा सम्मिलित हुए । योग का प्रारंभ प्रार्थना से किया गया। तत्पश्चात खड़े होकर किए जाने वाले आसन में ग्रीवा चालन, ताड़ासन, वृक्षासन का अभ्यास किया गया । बैठकर किए जाने वाले आसन में वज्रासन, शशांक आसन , शलभाषण, मकरासन, कटी चक्रासन का अभ्यास किया गया। लेटकर किए जाने वाले आसन में पवनमुक्तासन का अभ्यास किया गया । प्राणायाम में कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास किया गया । योग का संचालन संस्था के व्याख्याता मिलन सिंह सिन्हा ने किया । कार्यक्रम में जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष देव देवांगसन ने कहा कि अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए इससे शरीर स्वस्थ रहता है।

लाभ संतृप्ति शिविरों के माध्यम से त्वरित लाभ मिलने से हितग्राही हुए प्रसन्नचित

बालोद। जिले में आयोजित धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत लाभ संतृप्ति शिविरों के माध्यम से तात्कालिक लाभ मिलने से आदिवासी समाज के लोग एवं हितग्राही अत्यंत प्रसन्नचित एवं अपने सुखद भविष्य के प्रति आशान्वित नजर आ रहे हैं। केन्द्र सरकार के द्वारा विभिन्न 25 सेवा से लाभान्वित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही लाभ संतृप्ति शिविर अत्यंत सफलीभूत सिद्ध हो रही है। इसी कड़ी में आज जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम भीमकन्हार में आयोजित शिविर में ग्राम परसाडीह ज की निवासी मेहतरीन बाई की बीपीएल राशन कार्ड बनने से वे बहुत ही प्रसन्नचित है। श्रीमती मेहतरीन बाई ने बताया कि वे बहुत दिनों से बीपीएल राशन कार्ड बनाने के लिए ग्राम पंचायत एवं अन्य शासकीय कार्यालयों में जाने के लिए प्रयासरत थे।

प्रतिष्ठान के वेबसाइट का हुआ शुभारंभ

तुलसी मानस प्रतिष्ठान के नव मनोनित पदाधिकारियों ने ली शपथ

विजय मत, बालोद

प्रदेश के सबसे बड़े धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठन श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ के नव मनोनित पदाधिकारियों एवम कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण महोत्सव गुण्डरदेही के शारदा वाटिका में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूज्य संत उमेशानन्द जी गिरी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय संत सुरक्षा परिषद छत्तीसगढ़ मंडल महंत राजिम,पूज्य संत वीरेंद्र महाराज कामधेनु मंदिर भेंडी,संरक्षक एवम पूर्व सांसद मोहन मंडावी कांकेर,नंद गुप्ता समाज सेवी,रायपुर,श्रीमती तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर,अध्यक्ष जिला पंचायत, बालोद,प्रमोद जैन,अध्यक्ष नगर पंचायत गुण्डरदेही, दिप्ती पांडे कार्यकारी अध्यक्ष,जगदलपुर,प्रतिष्ठान के पूर्व अध्यक्ष गोपाल वर्मा उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख ने की ।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री राम तथा पूज्यपाद महाकवि तुलसी के छाया विग्रह का पूजा, अर्चना ,वंदना,दीप प्रज्वलित एवं ध्वजारोहण कर किया गया। प्रतिष्ठान के सांगीतिक टीम लीलार सिन्हा ,पुष्पा मिश्रा, रामकुमार साहू,राकेश साहू,राजेश कश्यप,दादू मानिकपुरी द्वारा श्रीराम एवं छत्तीसगढ़ महतारी वंदना प्रस्तुत कर की गई। प्रतिष्ठान के प्रदेश प्रवक्ता सीता राम साहू श्याम द्वारा आयोजित कार्यक्रम की आधार वक्तव्य प्रस्तुत किया गया।पश्चात पूज्य संत उमेशानन्द जी गिरी द्वारा पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी को प्रतिष्ठान के प्रति निष्ठा एवम प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई गई।

अध्यक्षीय तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख ने प्रतिष्ठान के कार्यों और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष में तुलसी जयंती और मानस विभूतियों का अलंकरण महोत्सव जैसे दो प्रमुख आयोजन होंगे। इसी क्रम में मानस के नौ दिवंगत विभूतियों के नाम पर अलंकरण की घोषणा की गई । जिसमे श्री राम जननी माता कोसल्या,प्रतिष्ठान के प्रथम अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल रायपुर,दाऊ रामचंद्र देशमुख,संत कवि पवन दीवान राजिम, स्वामी आत्माराम कुम्भज बालोद, गजानंद देवांगन गरियाबंद,दादा बली राम कश्यप बस्तर,बंशी लाल भारद्वाज बालोद,तथा शशि कांत अवस्थी राजनांदगांव शामिल है। मुख्य वक्ता उमेशानंद गिरी ने श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान के बहुआयामी कार्यों, उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मानव और चरित्र निर्माण की दिशा में किए जा रहे कार्य अत्यंत अनुकरणीय है। वीरेंद्र महाराज ने कहा कि आज समाज में अधर्म और अन्याय चरम पर है तब प्रतिष्ठान द्वारा गांव गांव में राम कथा का आयोजन वंदनीय प्रयास है। मोहन मंडावी ने वनांचल में हो रहे धर्मांतरण पर प्रहार करते हुए कहा कि श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान वनांचल क्षेत्र में सर्वाधिक सक्रिय हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर निजी खाद एवं दवाई दुकानों में छापामार कार्रवाई

गड़बड़ी पाए जाने पर पांच फर्मों को शो कॉज नोटिस

विजय मत, राजनांदगांव

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने आधा दर्जन खाद और कृषि दवाई दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। लापरवाही और गड़बड़ी के आरोप में 5 दुकान मालिकों को शो काज नोटिस जारी किया गया है। एक सप्ताह में उनसे जवाब तलब किया गया है। संतोषप्रद जवाब नहीं पाए जाने पर लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण की चेतावनी जारी की गई है। उप संचालक कृषि ने किसान हित को ध्यान रखते हुए निरीक्षण टीम को एक्शन मोड में ला दिया है। प्रतिदिन आकस्मिक रूप से दुकानों में दबिश देकर जांच रिपोर्ट उन्हें सौंपेंगे।

गौरतलब है कि कृषकों को शासन द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरक विकय एवं कालाबाजारी, जमाखोरी रोकने तथा गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध हो सके, के उद्देश्य से तथा विक्रय लाईसेंस के शर्तों के अनुरूप रिकार्ड संधारण व पीओएस मशीन से उर्वरक विकय सुनिश्चित कराये जाने के संबंध में 20 जून को कलेक्टर बिलासपुर के निर्देश एवं उप संचालक कृषि बिलासपुर के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विकासखण्ड तखतपुर अन्तर्गत मेसर्स कौशिक कृषि केन्द्र सकरी, मेसर्स कौशिक कृषि केन्द्र एवं खाद भंडार काठाकोनी, मेसर्स देव बोरवेल्स जोरापारा, मेसर्स ओम साई ट्रेडर्स जरौधा तथा मेसर्स किसान सेवा केन्द्र तखतपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । जिसमें मेसर्स कौशिक कृषि केन्द्र सकरी में स्टॉक पंजी, मूल्य सूची एवं अनुज्ञप्ति प्रदर्शित नहीं किये जाने तथा अवसान हुए कीटनाशक औषधि पाये जाने के कारण विक्रय प्रतिबंध करते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

राहुल गांधी का नेतृत्व भारत की लोकतांत्रिक आत्मा का प्रहरी है : सुनील माहेश्वरी

विजय मत, भाटापारा

राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी ने भाटापारा, सिमगा, बलौदाबाजार के विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होकर कहा की राहुल गांधी का नेतृत्व भारत की लोकतांत्रिक आत्मा का प्रहरी है।

श्री माहेश्वरी ने कहा की देश के जनप्रिय नेता, भारत जोड़ो यात्रा के प्रेरणास्रोत और संविधान की रक्षा के प्रतीक राहुल गांधी के प्रति हम श्रद्धा, सम्मान और शुभकामनाएं प्रेषित करते है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि आज के भारत की विवेकशील चेतना के प्रतीक हैं, जिन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश के हर नागरिक को जोड़ने और नफरत को हरा कर मोहब्बत की दुकान खोलने का अद्भुत संदेश दिया। वे उस पीढ़ी के नेता हैं, जो संविधान को मात्र एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता की आत्मा मानते हैं, और उसकी रक्षा के लिए हर प्रकार की लड़ाई लड़ने को तत्पर रहते हैं। श्री माहेश्वरी ने आयोजित संगोष्ठी में कहा कि देश के युवाओं को जब बेरोजगारी की अंधी सुरंग में धकेला जा रहा है, तब राहुल गांधी जी ने उन्हें सम्मानजनक रोजगार और आत्मसम्मान की लड़ाई के लिए प्रेरित किया है। उनके आर्थिक दृष्टिकोण में देश के सबसे

जनमन आवास: सीईओ जिला पंचायत ने वनांचल गांव का सघन निरीक्षण किया

हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली

विजय मत, कवर्धा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा पंडरिया विकासखंड के वनांचल ग्राम पंचायत आगरपानी, पोलमी एवं भेलकी का सघन दौरा कर प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत निर्माणधीन आवासो का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत भेलकी के आश्रित ग्राम बदनाचुआ में पीएम जनमन के हितग्राहियों से संवाद करते हुए शासन के महत्वाकांक्षी योजना पर चर्चा कर निमाणार्धीन आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया गयो भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत पंडरिया के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री चित्रा यादव को

निर्देशित किया कि जनमन आवास के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड एवं राशन कार्ड जैसे मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कराया जाए। मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आवास निर्माण में जियोटैगिंग समय पर हो ताकि समय पर किश्त की राशि का भुगतान हो सके । निर्माण सामग्रियां समय पर उपलब्ध कराने के लिए हितग्राही को सतत सहयोग प्रदान करे। जनमन आवास निर्माण में महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत 95 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने कहा गया।साथ ही समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए आवास निर्माण शासन द्वारा निर्धारित मापदंड अनुसार कराते हुए समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बीपीएम अरूना खेस्स को महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से अतिरिक्त सेंटरिंग प्लेट की व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा गया कि सेंट्रिंग व्यवसाय से महिला समूह के लिए आजीविका संवर्धन के नए रास्ते खुलेंगे तथा हितग्राहियों को सेंट्रिक कार्य के लिए प्लेटगांव में ही आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान अनुविभागी अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उप संभाग पंडरिया, जिला समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एन आर एल एम के बी पी एम,सरपंच, सचिव, तकनीकी सहायक रोजगार सहायक एवं आवास मित्र उपस्थित थे।

सीहोर वाले प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा सुनने पहुंच रहे लाखों लोग

शिव पर भरोसा करो, वही आपका काम बनायेंगे

विजय मत, बालोद

ग्राम निकुम में चल रही शिवमहापुराण की कथा के चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने शिव नाम की महिमा बताई। कहा कि आप अपना काम करो बाकी शिव पर छोड़ दो। आगे कहा कि मानव शरीर दुर्लभ है। इसे यूं ही मत गंवाने दें, पता नहीं यह मानव देह फिर मिलेगा कि नहीं। आगे कहा कि पुण्य के कारण आप और हम मिले हैं। इसलिए पुण्य अर्जित करते जाओ।

कथा को विस्तार देते हुए आए कहा कि हमारा शिव पर विश्वाश जरूरी है, तभी सभी काम सार्थक होंगे। सती की कथा में बताया कि सती को शिव पर और अपनी भक्ति पर विश्वास था

इसलिए उन्हें शिव मिला। कथा में बताया कि प्रजापति दक्ष ने सती के विवाह के लिए स्वयंवर रखा। 33 कोटि देवता को निमंत्रण दिया, लेकिन शिव के यहां निमंत्रण नहीं भेजा।लेकिन द्वार पर शिव की मूर्ति रखवा दी। सती ने उस मूर्ति को माला पहना दिया और शिव प्रगट हो गए। प्रदीप मिश्रा ने कहा कि ऐसा संभव इसलिए हुआ, क्योंकि माता सती को भगवान भोलेनाथ पर विश्वास था। भगवान उनको निराश नहीं करते जो उन पर विश्वाश करते हैं। उन्होंने कहा जहां भी शिव की मूर्ति दिख जाए बेल पत्र जरूर चढ़ाओ। कैलाश पर सती पहुंची तो कोई सुविधाएं नहीं थी, लेकिन माता का विश्वाश नहीं डिगा।

माता पिता की आज्ञा को सिर पर धारण करो: माता पिता और गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि माता पिता की आज्ञा को सिर पर धारण करो।हमेशा उनकी आज्ञा का पालन करो। आयोजन में जय महाकाल परिवार एवं समस्त ग्रामवासी निकुम के संयुक्त तत्वाधान में संयोजक रूपेश देशमुख , अमित गुप्ता, उत्तम धनकर , माधव देशमुख, पीलेश्वर साहू, नितिन गुप्ता, कुलदीप देशमुख आदि सक्रिय हैं। कथा सुनने विशेष रूप से ओजस्वी मंडावी (सदस्य राज्य महिला आयोग छग दुर्ग संभाग प्रभारी), लता मरकाम (अनु जनजाति दंतेवाड़ा), ताम्रध्वज साहू (पूर्व गृह मंत्री), प्रीतपाल बेलचंदन (पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग), बीरेंद्र साहू (पूर्व विधायक), प्रतिमा चंद्राकर (पूर्व विधायक), राजा महोबिया (जिला मीडिया प्रभारी भाजपा), प्रतिभा चौधरी(अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालोद), गुलशन चंद्राकर (जिला पंचायत सदस्य बालोद), पवन सोनबरसा, टोमन साहू, भूपेंद्र चंद्राकर, रोशन देशमुख, अश्वनी चंद्राकर, दया सिंह, रिसाली की महापौर शशि सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य योगिता चंद्राकर, पुलिस जवाबदेही आयोग की सचिव रामकली यादव आदि मौजूद रहे।

गरियाबंद राशन वितरण केंद्र में तकनीकी बाधा से हंगामा, उपभोक्ताओं में आक्रोश

विजय मत, गरियाबंद

जिले के शासकीय उचित मूल्य की दुकान में रविवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में हितग्राही राशन प्राप्त करने के लिए दुकान के सामने एकत्र हो गए थे, लेकिन तकनीकी समस्याओं के चलते दुकान का शटर तक नहीं खुल पाया। इससे गुस्साए उपभोक्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की।

दुकान में पदस्थ सेल्समेन रमेश निर्मलकर ने बताया कि एक हितग्राही को राशन देने के लिए 6 से 9 बार ओटीपी दर्ज करना पड़ रहा है, जिससे एक व्यक्ति पर औसतन आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता है। परिणामस्वरूप दिनभर में केवल 20 से 22 कार्डधारियों को ही राशन दिया जा सका। उन्होंने बताया कि इस गंभीर तकनीकी समस्या

को लेकर संगठन द्वारा राज्य के खाद्य मंत्री और जिला प्रशासन को आवेदन सौंपा गया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि वे सुबह 5 बजे से लाइन में लगे हुए थे, लेकिन तकनीकी बाधाओं और धीमी प्रक्रिया के कारण घंटों इंतजार के बाद भी राशन नहीं मिल सका। सुबह से भीड़ इतनी अधिक थी कि दुकान का शटर तक नहीं खोला जा सका। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची।

छत्तीसगढ़ एक ब्रिज की भूमिका निभाएगा, जो कॉलेज से मार्केट तक युवाओं को जोड़ेगा

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा और न्यायिक तकनीक का नया युगः बृजमोहन अग्रवाल

विजय मत, रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट लॉ एंड ऑर्डर विजन को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया। नया रायपुर (अटल नगर) में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर का ई-उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव पांडेय सहित कैबिनेट मंत्रीगण, विधायकगण, प्रशासनिक अधिकारी और अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ में फॉरेंसिक शिक्षा का नया युग शुरू NFSU का अस्थायी परिसर छत्तीसगढ़ में फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध जांच और तकनीकी अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यह संस्थान न केवल युवाओं को फॉरेंसिक साइंस में उच्च शिक्षा व शोध के अवसर उपलब्ध कराएगा, बल्कि राज्य की न्यायिक प्रक्रिया और अपराध जांच प्रणाली को आधुनिक और वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगा। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस अवसर को छत्तीसगढ़ के लिए फॉरेंसिक विज्ञान के एक नए युग का शुभारंभ्ह करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान भविष्य में भारत को दोषसिद्धि दर के मामले में विश्व के अग्रणी देशों की श्रेणी में लाने में अहम भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ की भी हुई शुरूआत - युवाओं को मिलेगा नवाचार और स्टार्टअप में समर्थन ई-उद्घाटन समारोह के दौरान आई-हब छत्तीसगढ़ का भी शुभारंभ किया गया। यह प्लेटफॉर्म प्रदेश के युवाओं को स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, तकनीकी प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता के माध्यम से आत्मनिर्भरता

की ओर अग्रसर करेगा। छत्तीसगढ़ एक ब्रिज की भूमिका निभाएगा, जो कॉलेज से मार्केट तक युवाओं को जोड़ते हुए उन्हें व्यावसायिक विकास, मार्केटिंग स्किल, आईपीआर प्रोटेक्शन, स्टार्टअप निवेश, लॉजिक और स्केलेबिलिटी जैसे विषयों में मार्गदर्शन और संसाधनों की सुविधा प्रदान करेगा।

यह पहल छत्तीसगढ़ को तकनीकी और उद्यमिता की दृष्टि से अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। अमित शाह का संदेश झ ह्लन्याय व्यवस्था को आधुनिक बनाना समय की मांग गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि आधुनिक अपराधों के खिलाफ पारंपरिक विधियों से लड़ना संभव नहीं है, और यही कारण है कि फॉरेंसिक साइंस का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ह्लफॉरेंसिक जांच और आधुनिक अनुसंधान के आधार पर दोषसिद्धि दर में सुधार लाने का यह एक निर्णायक क्षण है।ह्व उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ठऋछव और उऋछ के रायपुर परिसर से मध्य भारत के राज्यों को तकनीकी सहयोग, विशेषज्ञ मानव संसाधन और सटीक जांच के लिए सशक्त आधार मिलेगा। यह संस्थान रिसर्च, ट्रेनिंग और इनोवेशन का हब बनेगा। बृजमोहन अग्रवाल का वक्तव्य झ ह्लसशक्त न्याय प्रणाली की ओर ठोस कदमह्व सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि ह्लयह संस्थान छत्तीसगढ़ की न्याय व्यवस्था, प्रशासनिक क्षमता और युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाएगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यसशक्त न्याय प्रणालीह्व के विजन की साकार अभिव्यक्ति है।ह्व उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा अब दिल्ली, हैदराबाद या गुजरात जाने की बजाय यहीं उच्च स्तर की फॉरेंसिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। यह केवल शैक्षणिक ढांचा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला है।

सार समाचार

खेलो इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता के लिए राजनांदगांव की चार बालिकाओं का चयन

राजनांदगांव। शहर व जिले के लिए गौरव का क्षण है, जब चार बालिकाओं का चयन खेलो इंडिया अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह चयन हाल ही में बिलासपुर में आयोजित चयन शिविर में हुआ, जिसमें जिले की प्रतिभाशाली बालिकाओं ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर चयनकताओं का ध्यान खींचा। चयनित बालिकाओं में कुमकुम उच्च माध्यमिक विद्यालय धामनसरा, मीनाक्षी भामनी, धनेश्वर कंवर और प्यारेलाल ठाकुर उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजनांदगांव शामिल हैं। ये चारों खिलाड़ी दिनांक 28 जून से 1 जुलाई तक हरिद्वार में आयोजित खेलो इंडिया अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। कमला कॉलेज ग्राउंड में नियमित अभ्यास कर रहीं इन बालिकाओं को प्रशिक्षकों ललित साहू, संतोष देशमुख एवं व्यायाम शिक्षक तीरथ गोस्वामी और संजय मांडवी का विशेष मार्गदर्शन मिला। उनके चयन पर जिले भर में खुशी की लहर है।

ग्राम सरोरा में योग दिवस का सफल आयोजन, योगमय हुआ वातावरण

तिल्दा-नेवरा। तिल्दा नेवरा के समीपस्थ ग्राम सरोरा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक योग सत्र में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योग के महत्व को समझा। इस कार्यक्रम में सरपंच उमेश्वरी साहू, उपसरपंच बसंत सिंह ठाकुर, और फ्रेंड्स क्लब सरोरा के संरक्षक शरद ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। योग सत्र में इंदु शेखर शर्मा, विश्राम साहू, ओम प्रकाश वर्मा, चंद्र कुमार साहू, नारायण यदु, इष्मिता चतुर्वेदी, उमा कुर्रे, अंकिता साहू, महेश्वरी पाल, जितेंद्र वर्मा, उमा सिन्हा, पर्मिला साहू, रति देवी, राजू साहू, दयाचंद, कमलेश शर्मा, राजेश देवांगन, सचिव विष्णु देवांगन, पुनीता साहू, पिंका साहू, रोशनी वर्मा, प्रतिभा वर्मा, विशाल ठाकुर, और पप्पू दास ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उपस्थित सभी ग्रामवासियों ने योग गुरुओं के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों और प्राणायामों का अभ्यास किया।

गायत्री शक्ति पीठ बालोद में जिला स्तरीय गोष्ठी का आयोजन हुआ

बालोद। रविवार को गायत्री शक्ति पीठ बालोद में एक दिवसीय गोष्ठी आयोजन किया गया,जिसने 108 कुंडी यज्ञ के प्रयाज में पूरे जिले स्तर पर गोष्ठी आयोजित किया गया। गोष्ठी में जिला समन्वयक सह समन्वयक ब्लॉक के ब्लॉक समन्वयक की उपस्थिति की रही जिसमें 108 कुंडी गायत्री की सफलता के प्रयास अंश दान, समय दान और गतिविधियों के माध्यम से बालोद जिले के हर गांव में गायत्री की स्थापना, वंदनीय माता जी और अखंड दीपक की शताब्दी वर्ष 2026 में मनाया जाएगा जिसके लिए,सभी गायत्री परिवार की सभी सदस्य इसमें अपना आहुति देंगे। और 108 कुंडी गायत्री शक्ति संवर्धन बालोद में 8 से 11 दिसंबर को आयोजित किया गया है, साथ ही शांतिकुंज हरिद्वार के कुलाधिपति ,युवा आइकॉन आदरणीय चिन्मय पांड्या जी का आगमन 10 दिसंबर को आगमन हो रहा है जिसकी जानकारी सभी परिजन को दिया गया। साथ ही 10 से 12 जून को शांतिकुंज युवा चिंतन शिविर का आयोजन किया गया।

मां बेरीवाली स्पंज आयरन पावर प्लांट की जनसुनवाई में मिलाजुला रुख

रोजगार और विकास की उम्मीदों से दिखा समर्थन

विजय मत, तिल्दा

तिल्दा-नेवरा के पास ग्राम पंचायत सांकरा और लखना में प्रस्तावित मां बेरीवाली स्पंज आयरन पावर प्लांट की पर्यावरण स्वीकृति के लिए आयोजित जनसुनवाई में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का मिलाजुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध जताया, वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रोजगार और क्षेत्र के विकास की उम्मीदों के साथ प्लांट का समर्थन किया।

विरोध के बीच समर्थन की लहरः जनसुनवाई के दौरान, सांकरा और लखना सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों लोगों ने लिखित में सहमति जताई। हालांकि, लखना पंचायत के कुछ लोगों द्वारा कंपनी का विरोध भी किया गया। माहौल को बिगड़ता देख, सांकरा और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोगों ने पर्यावरण

अधिकारी और एडीएम के समक्ष लिखित में समर्थन पत्र प्रस्तुत किया।

समर्थन में आए दिनेश वर्मा, मनोहर निषाद, मनीष शुक्ला, प्रीतम वर्मा, पप्पू पाल, अभिषेक साहू समेत सैकड़ों लोगों ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा था और उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को लिखित में समर्थन पत्र सौंप दिया। लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि उद्योग लगने से उन्हें रोजगार के लिए दूसरे प्रदेश या दूसरे गांवों में नहीं जाना पड़ेगा, और सीएसआर (कॉपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) मद से ग्राम विकास भी होगा।

रोजगार और क्षेत्र के विकास के लिए ग्रामीणों में उत्साहः कंपनी प्रबंधन ने ग्रामीणों के बीच प्लांट की विस्तृत योजना प्रस्तुत की, जिसमें स्थानीय कुशल, अकुशल और प्रतिभावान युवाओं को उचित रोजगार देने का आश्वासन दिया गया। इसके अतिरिक्त, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआर के माध्यम से विकास कार्य करने की भी बात कही गई। कंपनी ने पर्यावरण संरक्षण की पूरी योजना भी बताई, जिससे ग्रामीण और क्षेत्रवासी उत्साहित हुए।

और उन्होंने लिखित में अपना समर्थन दिया। इस महत्वपूर्ण जनसुनवाई में क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी प्रकाश आर रावड़े, एडीएम देवेंद्र पटेल, और ग्रामीण एसपी कीर्तिमान राठौर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कोटा रोड का सार्वजनिक शौचालय 1 महीने से बंद, नागरिकों को परेशानी

विजय मत, तिल्दा

तिल्दा नेवरा कोटा रोड मुख्य मार्ग पर स्थित सार्वजनिक सुलभ शौचालय पिछले एक महीने से बंद पड़ा है, जिससे आम नागरिकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले पर समाजसेवी संस्था संजीवनी रक्तदाता संघ के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश सिंह चौहान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। चौहान ने अपनी विज्ञप्ति में बताया कि चालू हालत में रहे इस सुलभ शौचालय को कुछ पार्षदों द्वारा मरम्मत के नाम पर बंद करवा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा पैसे ऐंठने के चक्कर में किया गया है। यह भी सुनने में आया है कि मरम्मत का काम लगभग पूरा हो जाने के बावजूद शौचालय अभी तक बंद है। श्री चौहान ने पालिका प्रशासन और मुख्य नगर पालिका अधिकारी से इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेने और शौचालय को अविलंब चालू करने का आदेश जारी करने का निवेदन किया है। उन्होंने बताया कि तिल्दा नेवरा एक औद्योगिक क्षेत्र है और इस रास्ते से भारी वाहनों का आवागमन लगातार बना रहता है।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान में विद्यालय भी खुल चुके हैं, जिससे छात्रों और शिक्षकों को भी असुविधा हो रही है। चौहान ने कटाक्ष करते हुए कहा, ₹जनप्रतिनिधि शौच का पैसा भी खा जाते हैं।₹ उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शौचालय को जल्द से जल्द चालू नहीं किया गया, तो वार्डवासी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। आम जनता की सुविधा को देखते हुए इस शौचालय को तत्काल चालू करना अत्यंत आवश्यक है।

भाजपा राज में कोल, रेत माफियों को खुला संरक्षण

- रेत खदाने भाजपा के विधायक नेता चला रहे
- सरकार में बैठे लोग कोल परिवहन पर 100 रू. टन लेबी ले रहे
- खनन माफिया हत्या करने में भी पीछे नहीं हट रहा

विजय मत, रायपुर

भाजपा की सरकार को रेत और खनन माफिया चला रहे है। कोयले के ट्रांसपोर्टिंग पर साय सरकार में 100 रू. टन की वसूली कर परिवहन का पास जारी किया जाता है। रेत का पूरा कारोबार भाजपा के विधायक नेता संभाले हुए है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपाई सत्ताधीशो के संरक्षण में पूरे प्रदेश में रेत माफिया आतंक का खूनी खेल खेल रहा है। भाजपा के मंत्री, विधायक, नेता, रेत के अवैध कारोबार के भागीदार बने हुये है। अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सत्तारूढ़ दल के नेता रेत माफिया की दादागिरी को प्रश्रय देते है। रेत घाटो के क्षेत्र के ग्रामीण और पंचायत कर्मचारी खनिज कर्मचारी बेबश और लाचार बन गये है। बलरामपुर जिले में रेत माफिया द्वारा

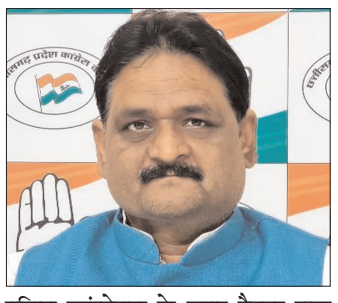

पुलिस कांस्टेबल के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा कर हत्या किये जाने की घटना प्रदेश में विष्णु के सुशासन की वास्तविक हकीकत है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरे प्रदेश में अवैध माइनिंग का कारोबार भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के संरक्षण में फल-फूल रहा है। खनन माफिया भारतीय जनता पार्टी के सरकार में इतने बेफिक्र हो गए हैं की खुलेआम माइनिंग अधिकारियों कर्मचारियों की पिटाई कर रहे हैं। बलरामपुर की घटना पहली नही है, इसके पहले भी गरियाबंद में खनिज इंस्पेक्टर सहित अनेकों कर्मचारियों की पिटाई रेत माफिया ने किया था। रायपुर जिले के आरंग के पास समोदा के हरदीडीह रेत घाट में खनिज विभाग के 16 अधिकारी, कर्मचारियों को अवैध खनन माफिया के लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था। उसके बाद खनिज विभाग के कर्मचारियों के द्वारा सील की गई मशीन खुलवाई गई और कार्यवाही का पत्रक भी फाड़ दिया। कार्यवाही के नाम पर प्रशासन लीपा-पोती किया गया था। ना मशीनें जप्त की गई और न ही गाड़ियां। इससे बेहद स्पष्ट है कि अवैध खनन माफियाओं को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। सरकार की इस ढिलाई का नतीजा है। पूरे प्रदेश में रेत माफिया, खनन माफिया बेलगाम हो चुका है। रायगढ़ में कोयले के कारोबार में घंटो गोली बारी हुई थी। प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री के नजदीकी इसमें शामिल थे।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने ठोस पॉलिसी बनाई थी, खनिज विकास निगम की निगरानी में प्रदेश के सभी 450 रेत खदानों में पारदर्शिता पूर्ण व्यवस्था बनाई थी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय रेत खदानों में लोडिंग चार्ज अधिकतम 450 रूपए था, जो अब भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के चलते हैं 2000, 3000 और 5000 तक वसूले जा रहे हैं, जिस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है या अघोषित रूप से संरक्षण है?

सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई

जवानों ने 5 नक्सलियों को किया गिरफ्तार जंगल में आईईडी बरामद कर किया नष्ट

विजय मत, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए गए सर्च ऑपरेशन में कुल 5 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य, वर्दी और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। इसके साथ ही दो अलग-अलग स्थानों से 5-5 किलोग्राम के दो आईईडी बरामद कर उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया।

बीजापुर जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों मद्देड़, गंगालूर और जांगला में चलाए गए सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान कुल 5 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। थाना मद्देड़ की कार्रवाई में एक माओवादी सहयोगी को

विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़ा गया है। आरोपी के कब्जे से विस्फोटक, माओवादी वर्दी, पिट्ठू बैग, माओवादी साहित्य और दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई है।

डीआरजी बीजापुर और थाना गंगालूर की संयुक्त कार्रवाई में गश्त और सर्चिंग के दौरान मुतवेंडी क्षेत्र से तीन माओवादी विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं थाना जांगला की कार्रवाई में छोटे तुमनार मार्ग से एक माओवादी सदस्य को विस्फोटक सामग्री सहित गिरफ्तार किया गया है।

डीआरजी और बीडीएस की टीम ने नक्सलियों के नापाक मंसूबों को विफल किया है। पोंजेर से पेद्दाकोरमा कच्चे मार्ग पर डिमाइनिंग और एरिया डोमिनेशन ड्यूटी के दौरान जवानों की टीम ने नक्सलियों द्वारा स्टील टिफिन में छिपाकर रखे गए दो आईईडी बरामद किया। बरामद किये गए दोनों ही आईईडी 5-5 किलोग्राम वजन के थे, जिन्हें बीडीएस टीम ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया।

संचालक जितेन्द्र शुक्ला ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की

विजय मत, सारंगढ़

जल जीवन मिशन के जिले में प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रविवार को सारंगढ़ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन संचालक जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने की। बैठक में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, एसडीएम प्रखर चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी रमाशंकर कश्यप, लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा, विद्युत पीसी महानंदा, प्रभारी अधिकारी क्रेडा शिवेंद्र सिंह सहित सभी जनपद सीईओ, विभागीय उप अभियंता, सभी क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में रिट्रोफिटिंग, सोलर आधारित जल योजनाएं, जल स्त्रोत की उपलब्धता, खनन संबंधी मुद्दों और जल संरक्षण-स्त्रोत संवर्धन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई और ठेकेदार कावेरी तेलंगाना संस्था ने

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर भिलाई चरोदा निगम ने लगाया योग शिविर

भिलाई 3 के मंगल भवन में योग अभ्यास के उपरांत वृक्षारोपण किया गया

विजय मत, भिलाई नगर

छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त दिशा निर्देश एवं जिला प्रशासन दुर्ग से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुसार नगर निगम भिलाई चरोदा द्वारा शनिवार दिनांक 21/06/2025 को योग शिविर आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के सभी वर्ग के महिला एवं पुरूषों ने योग के आसनों का अभ्यास किया साथ ही योग के महत्व पर योग गुरूओं द्वारा बताये गये महत्वपूर्ण बिंदुओं को आत्मसात किया।

जैसा कि विदित है कि भारत सरकार द्वारा योग की महत्ता को जन-जन तक पंहुचाने के उद्देश्य से ही वर्ष के एक दिन

21 जून को राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की है। जिसे विश्व स्तर पर अंतराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में ख्याति प्राप्त हुयी है। हमारे देश के इस प्राचीन विद्या से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभ को आज सारे विश्व ने सम्मान दिया है। योग से ना केवल रोगो पर ही नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है वरन भागदौड़ भरी आज के समय की दिनचर्या में ये मानसिक शांति और एकाग्रता प्राप्त करने में भी सहायक है।

योग से निरोग के मूल मंत्र के साथ भिलाई 03 के मंगल भवन में आज योग प्रशिक्षुओं द्वारा शिविर में आये लोगों को अलग अलग योग आसनों के माध्यम से अभ्यास कराया। योग गुरू सुषमा बेपारी एवं कु. श्रद्धा बेपारी ने मंच से विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन कर शिविर में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सुबह 06 बजे से लेकर 07 बजे तक चले शिविर के उपरांत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मंगल भवन परिसर में नये पौधो को रोपित किया गया। आज के कार्यक्रम में निगम के नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, वरिष्ट भाजपा पार्षद फिरोज फारूखी, संजय ठाकुर, रवि नाहर, जयसवाल शामिल हुये। साथ ही भिलाई 03 के अनुविभागीय दंडाधिकारी महेश सिंह राजपूत, तहसीलदार भिलाई 03 पवन सिंह राजपूत सहित निगम की ओर से सहायक अभियंता आलोक पसीने, सहाअभियंता प्रशांत शुक्ला, सहायक अभियंता हेमंत साहू, उपअभिता मुकेश रात्रे, उपअभियंता मुकेश चंद्राकर उपअभियंता वैभव त्यागी, उपअभियंता केहर कुमार मरकाम, स्वच्छता निरीक्षक बीनू वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला

अईरान और इजरायल की जंग में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर देर रात बी 2 बांबर बम से हमला करके भारी तबाही मचाई है। अमेरिका ने ईरान और इजरायल युद्ध के लिए बी 2 बॉम्बर, पनडुब्बी मिसाइलों के जरिए सुनयोजित रूप से ईरान पर हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोरडो, नतांज और इसफहान पर विनाशकारी हमले का दावा करते हुए कहा है, कि यह हमला शांति के लिए किया गया है। अमेरिका के इस जंग में कूदने के बाद तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई है। ईरान सरकार ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा है, ईरान अब चुन-चुन कर अमेरिकी ठिकानों पर सीधे हमले करेगा। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों के माध्यम से भारी बमबारी शुरू कर दी है। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी नौ सैनिक बेड़े तथा फ्रांस के जहाजों को निशाने पर ले लिया है। इन पर कभी भी ईरान का भारी हमला हो सकता है। ईरान इस समय डू एंड डाई की आक्रामक मुद्रा में है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने तीन उत्तराधिकारी घोषित करके अपने तेवर बता दिए हैं। उनके आक्रामक तेवर देखकर पता चलता है कि ईरान इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक लेकर जाएगा। ईरान और इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूद जाने के बाद सारे विश्व में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारे विश्व में अपनी बादशाहत कायम करना चाहते हैं। वह जिस तरह का व्यवहार दुनिया के अन्य देशों के साथ कर रहे हैं। उसके बाद चीन-रूस जैसे शक्तिशाली देश अमेरिका को पहले ही चेतावनी दे चुके थे।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

अतुल्य भारत, अजेय भारत मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ़ देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ़ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के ज़रिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के ज़रिए तैयार किया गया था। 2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया। और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

> यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्व' को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रूपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रूपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं। चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रूपये की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं। भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज़, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रूपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9त्न की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं - इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोज़गार की आधारशिला के रूप में उभरा। पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाएँ' योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया। पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

> अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं।

आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8406

1		■	2		3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■	28			■	29	

बाएँ से दाएँ

1. आकाश, व्योम-2
2. नाजुक, मुलायम-3
4. हार, पराजय-2
6. संध्या, सांझ, गोधूलि-2
7. जोर, बल-2
9. सोना, धतूरा-3
12. नाप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब, ताल, तलैया-4
18. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर, क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे

1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुमार, नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी, सब्जी, तरकारी-2
8. इंकार, मनाही-2
10. मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता -3
15. वचन, प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार, कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा, दोस्त-2
23. निजात, छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पवित्र-2

शब्द पहेली -8405 का हल

म	हा	का	ल	■	च	र	क	■
त	र	■	ह	■	कि	■	ला	क
वा	■	ह	जा	म	त	■	■	सू
ला	य	क	■	द	■	ना	सू	र
■	■	ला	वा	■	व	जु	■	■
ना	प	ना	■	आ	■	क	या	स
य	■	■	म	हा	न	ता	■	र
क	था	■	जा	■	र	■	सी	ता
■	ल	ल	क	■	म	हा	रा	ज

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.00 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	09.16 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.28 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.54 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.10 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.01 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.34 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मेष	01.05 बजे से
		वृष	02.45 बजे से
		मिथुन	04.43 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 174 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 22.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 15.17 बजे को समाप्त।
योग धृति 13.17 बजे को समाप्त।
करण गर 11.47 बजे तदनन्तर वणिज 22.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872384
जूलियन दिन 2460849.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

छत्तीसगढ़ में बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा, प्रवेश प्रारंभ

बिलासपुर। डॉ,. गजेन्द्र तिवारी शिक्षाविद प्राचार्य एवं कैरियर काउंसलर के उचित मार्ग दर्शन से पाली। बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, पाली में कक्षा पहली से 12वीं तक की छात्राओं के लिए निःशुल्क शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस शिक्षा कार्यक्रम में अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में अध्ययन का विकल्प रखा गया है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की छात्राएं लाभान्वित हो सकें। विद्यालय में कृषि, वाणिज्य, गृह विज्ञान, विज्ञान और कला संकायों में प्रवेश की सुविधा दी जा रही है। साथ ही ओपन स्कूल के माध्यम से 10वीं और 12वीं कक्षा की पढ़ाई भी उपलब्ध है, जिससे पढ़ाई में किसी कारणवश पिछड़ चुके विद्यार्थी भी अपनी शिक्षा को पुनः प्रारंभ कर सकें। नोनी मन पढ़ही, तभे विकास गढ़ही के संकल्प के साथ यह विद्यालय छात्राओं के उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। स्कूल संचालक डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर बच्ची को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले । और वह आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने यह भी अपील की है कि अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल में अवश्य दाखिला दिलाएं ताकि वे भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें। विद्यालय परिसर में बेहतर भवन, परिवहन सुविधा, अनुभवी शिक्षक, और सुरक्षित वातावरण की व्यवस्था की गई है। प्रवेश के लिए इच्छुक अभिभावक स्कूल में संपर्क कर सकते हैं।

संचालक जितेन्द्र शुक्ला ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जल जीवन मिशन के जिले में प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रविवार को सारंगढ़ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन संचालक जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने की। बैठक में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, एसडीएम प्रखर चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी रमाशंकर कश्यप, लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा, विद्युत पीसी महानंदा, प्रभारी अधिकारी क्रेडा शिवेंद्र सिंह सहित सभी जनपद सीईओ, विभागीय उप अभियंता, सभी क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में रिट्रोफिटिंग, सोलर आधारित जल योजनाएं, जल स्रोत की उपलब्धता, खनन संबंधी मुद्दों और जल संरक्षण-स्रोत संवर्धन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई और ठेकेदार कावेरी तेलंगाना संस्था ने जानकारी दी कि पहले 90 प्रतिशत काम हुआ था, जो मार्च में बह गया। इस पर संचालक ने खूब डांटा और सख्त निर्देश दिए कि कोई बहाना नहीं चलेगा, कार्य गुणवत्ता के साथ दिसम्बर 2025 तक सभी ठेकेदारों को सभी कार्य पूर्ण करना होगा, नहीं तो जुमार्ना देना होगा। कावेरी तेलंगाना फर्म के ठेकेदार ने 5 और 25 नवंबर तक कार्य पूर्ण करने की सहमति दी। जिले में चल रहे जेजेएम कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संचालक शुक्ला ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके अंतर्गत हर ग्रामीण परिवार को नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना लक्ष्य है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निमार्णाधीन योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करें और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

ओवरब्रिज निर्माण हेतु कुसमुंडा क्षेत्र में हटाया गया अतिक्रमण

विजय मत, कोरबा

सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल इंडिया के अधीन संचालित एसईसीएल बिलासपुर की कोरबा-पश्चिम क्षेत्र स्थित खुले मुहाने की कुसमुंडा कोयला परियोजना के संचालन एवं विस्तार का कार्य जो बुरी तरह से प्रभावित था, उसका सुविधा पूर्वक विस्तार किया जा रहा था, और इस हेतु रेलवे द्वारा वहा बनाये जा रहे ओवरब्रिज का काम मात्र इसलिए अटका हुआ था, क्योंकि वहा बड़े पैमाने पर कथित बेजा कब्जा कर इस कार्य को विगत दो वर्षो से अटकाए रखा था। किंतु कल से वहा पर ऐसा लग रहा हैं, की रेलवे, जिला प्रशासन, एसईसीएल प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से निर्णय ले लिया हैं की इस निर्माण कार्य के लिये किसी भी प्रकार का अवरोध, व्यवधान, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसलिए वहा चिन्हित किये अवरोध उत्पन्न करने वाले 11

कब्जेधारियों के कब्जे हटाने की मुहीम कल से तेज कर दी गयी थी। किंतु वहा के कुछ प्रबुद्ध एवं सभ्रांत जनो के विनम्र हस्ताक्षेप और अँधियारा फैलने की वजह से दूसरे दिन सुबह तक के लिये कड़ाई रोक दी गयी थी। किंतु आज प्रातः प्रशासनिक स्तर पर वहा मकानों के टूटे-फूटे अवशेष और जरूरी सामानो को वांछित स्थलों तक निशुल्क पहुंचाने वाहनों का काफिला मजदूरों सहित एसईसीएल के सौजन्य से तैनात और खड़ा कर दिया गया था। इसका असर यह हुआ की इन कब्जाधारियों ने स्वयं इन सेवाओं को अंगीकृत करते हुए नजाकत का लाभ उठाना प्रारंभ कर दिया और वे स्वयं इस कार्य हेतु क्रियाशील देखे गए। हो-हल्ला, हुज्जतबाजी, विरोध की सामूहिक आंधी स्वतः मंद होती चली गयी। अब ऐसा प्रतीत हो रहा हैं की बहुत जल्द इस निर्माण कार्य के विरोध को समाप्त कर दिया जाएगा। कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और एसईसीएल के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। किसी भी विवाद की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात की गयी हैं।

छत्तीसगढ़ में अब तक 55 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 55.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक जशपुर जिले में सर्वाधिक 188.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। नारायणपुर जिले में सबसे कम 13.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 74.4 मि.मी., सूरजपुर में 86.4 मि.मी., बलरामपुर में 187.7 मि.मी., कोरिया में 127.0 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 55.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 38.6 मि.मी. बलौदाबाजार में 41.9 मि.मी., महासमुंद में 30.4 मि.मी. और धमतरी में 24.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 23.1 मि.मी., मुंगेली में 14.8 मि.मी. रायगढ़ में 112.7 मि.मी., सक्ती में 47.6 मि.मी. कोरबा में 63.9 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 49.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है।

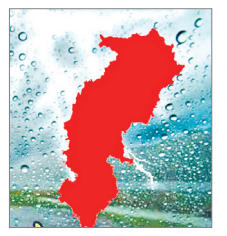

573 ग्रामो में सिंगल फेस में काम शुरू करने 804 करोड़ मंजूर

भू-जल स्रोत नहीं और बना दी पानी टंकी पाइप बिछा घरों में दे दिया नल कनेक्शन

विजय मत, कोरबा

कोरबा जिले में जल जीवन मिशन का काम शुरू हुए लगभग 5 साल गुजर गए। 703 ग्रामो में से 85 में ही पानी आपूर्ति का दावा किया जा रहा है, परन्तु हकीकत में भू-जल स्त्रोत की कमी के कारण अधिकांश ग्रामो में पानी आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई। बिना पानी के ही टंकियां बना दी गई। पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन भी दे दिया गया, जहा आपूर्ति शुरू हुई वहां भी सभी घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है।पीएचई ने जल जीवन मिशन की शुरूआत वर्ष 2019 में शुरू की थी। जिसके अंतर्गत 703 ग्रामो में से 573 ग्रामो में सिंगल फेस में काम शुरू किया था। इसके लिए 804 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। इसके साथ ही 245 ग्राम मल्टी विलेज में शामिल है। इसके लिए एतमानगर जल आवर्धन योजना पर काम चल रहा है। यहां से पोड़ी-उपरोड़ा, कटघोरा और पाली ब्लॉक के ग्रामो में पानी आपूर्ति की जाएगी। इसकी लागत 668.85 करोड़ रूपए है। एतमानगर में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इंटेकवेल के साथ ही पाइपलाइन के लिए 385 करोड़ का काम चल रहा है। इस योजना को बनाने का सबसे बड़ा कारण ही भू-जल स्रोत है। परंतु ऐसा लग रहा हैं की यहां बिना योजना के ही काम

किया गया है।जहां हैं पुरानी योजनाएं वहां काम शुरू ही नहीं -बताया जा रहा हैं की ग्रामो में इतना पानी नहीं कि टंकी भरने के पश्चात पानी की आपूर्ति की जा सके, लेकिन जहां सिंगल फेस योजना पर काम शुरू किया, वहां भी यही समस्या है। अभी इन ग्रामो में भी पानी टंकी बनाने व पाइपलाइन बिछा नल कनेक्शन देने का काम भी चल रहा है। कोरबा और करतला ब्लॉक के ग्राम सिंगल फेस में है। जहां पुरानी योजनाएं हैं, वहां भी काम शुरू नहीं हो पाया है। अभी योजना का समय भी वर्ष 2028 कर दिया गया है। पहले यह दिसंबर 2024 तक था। 498 के करीब पारा, टोले और मोहल्ले हैं। यहां सौर ऊर्जा पर आधारित पंप लगा रहे हैं। काम क्रेडा को दिया गया है। पाइपलाइन बिछाकर काम छोड़ रहे ठेकेदार - जल जीवन मिशन में 1 लाख 97 हजार 798 नल कनेक्शन लगाने का लक्ष्य है। इनमें 90 हजार नल कनेक्शन लगे हैं। इससे पाइपलाइन बिछाने के बाद ठेकेदार नल कनेक्शन लगाकर छोड़ देते हैं। एक से डेढ़ साल बाद भी नल में पानी नहीं आ रहा है। कितने घरों में पानी पहुंच रहा है, इसका भी अब तक कोई रिकॉर्ड नहीं है।

पानी टंकी बने हो गए लगभग एक साल-जल आपूर्ति नहीं हुई शुरू

ग्राम अजगरबहार में पानी टंकी बने लगभग एक साल हो गए हैं, पर अब तक पानी आपूर्ति शुरू नहीं हुई है। बताया जा रहा हैं की कई घरों में नल कनेक्शन नहीं लगाए गए हैं। पानी आपूर्ति कब होगी, कोई बताने वाला नहीं है।

ग्राम अमलडीहा में लगभग डेढ़ साल बाद भी नलों में नहीं आया जल

करतला ब्लॉक की अमलडीहा पंचायत और उसके आश्रित गर्म नवापारा में लगभग डेढ़ साल बाद भी पानी आपूर्ति शुरू नहीं हुई। पाइपलाइन के साथ नल कनेक्शन भी दिए हैं। एक ग्रामीण ने बताया कि हैंडपंप में पंप लगाया था, लेकिन टंकी तक पानी नहीं पहुंचा।

सुखरीकला में टेस्टिंग होने के बाद भी शुरू नहीं हुई पानी आपूर्ति

करतला ब्लॉक के ग्राम पंचायत सुखरीकला में टेस्टिंग होने के बाद पानी आपूर्ति शुरू ही नहीं हुई। यहां घरों में नल तो लगाए गए हैं। एक ग्रामीण ने बताया कि बीच में पंप चोरी हो गया था। इसके बाद योजना शुरू ही नहीं की गई।

245 गांवों में पानी पहुंचाने लगेंगे सालभर

एतमानगर समूह जलप्रदाय योजना से 245 ग्राम में पानी आपूर्ति होनी है, लेकिन इसका काम अब तक 50 प्रतिशत ही हो पाया है। इसमें कम से कम अभी 1 साल का समय और लगेगा। पाइपलाइन बिछाने वन विभाग, एनएचएआई, नेशनल हाईवे से भी अनुमति लेनी पड़ रही है। इसमें भी समय लग रहा है।

इस पर रमन उरांव, ईईपीएचई ने कहा हैं की भू-जल स्रोत की समस्या का समाधान कर रहे हैं, अभी 1 साल का समय लगेगा। पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। भू-जल स्रोत के कारण समस्या आई है। उसका समाधान कर रहे हैं।
रमन उरांव, ईईपीएचई

44 स्कूल बसों की जांच 4 बसों पर लगाया जुमार्ना

चालकों की स्वास्थ्य जांच भी की गई

विजय मत, महासमुंद

22 जून 2025 को जिला परिवहन अधिकारी महासमुंद और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले के बसना और सरायपाली क्षेत्र में संचालित 44 स्कूल बसों की जांच की गई। इस भौतिक परीक्षण शिविर के दौरान 4 बसों में तकनीकी व नियमों की कमी पाए जाने पर कुल 6,500 रुपये शमन शुल्क वसूला गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर सभी चालकों की शुगर, ब्लड प्रेशर (बीपी) और नेत्र जांच की। साथ ही स्कूल बसों के स्टाफ को वाहन संचालन के दौरान सावधानी बरतने और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों- जैसे फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी डोर के सही उपयोग की जानकारी दी गई। स्कूल बस स्टाफ को यह भी सख्त निर्देश दिए गए कि बच्चों को बस में चढ़ाने और उतारने के दौरान पूर्ण सतर्कता बरती जाए। इसके अलावा उन्हें यह भी समझाया गया कि वाहन संचालन के समय शराब या किसी प्रकार के नशे का सेवन न करें और हमेशा यातायात नियमों का पालन करें। इस

बालिका अपहरण मामले में नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का की टीम को मिली सफलता: कोरबा। कोरबा अंचल सिविल लाइन थाना क्षेत्र से 21 जून को एक नाबालिग बालिका के अपहरण की सूचना प्राप्त होने पश्चात अपहरण की धारा पर अपराध दर्ज कर नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के नेतृत्व मे टीम गठित कर मामले के कथित संदेही आरोपी को पौड़ीबहार क्षेत्र से अर्ध रात्रि हिरासत मे ले पूछताछ की जा रही है।जानकारी के अनुसार कोरबा अंचल सिविल लाइन थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका के अपहरण की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

ललित कला अकादमी के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे कलाकार

विजय मत, भिलाई

ललित कला अकादमी के रीजनल सेन्टर की स्थापना के लिए सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के कलाकार मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। अपने नीज निवास में मिलने आए कलाकारों से चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि राज्य में केन्द्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय का एक भी संस्थान नहीं है। यदि रीजनल सेन्टर बनता है तो इससे छत्तीसगढ़ी कला संस्कृति का व्यापक विकास होगा। वे मुख्यमंत्री से कहेंगे कि विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में शामिल किए गए मोदी की गारंटी के स्वरूप में इस वादे को भी शीघ्र पूरा करवायें। सांसद से मुलाकात के दौरान

ललित कला अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेम्बर डॉ.अंकुश देवांगन विशेष रूप से उपस्थित थे।

आधा दर्जन हाथियों ने घंटों तक रास्ता जाम किया, आवाजाही ठप

विजय मत, रायगढ़

जिले के एडु-सिंघनपुर मार्ग पर शनिवार को जंगल से निकलकर आधा दर्जन हाथियों का दल अचानक सड़क पर पहुंच गया. हाथियों को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई. हाथियों ने सड़क के बीच खड़े होकर रास्ता जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई. हाथियों के इस झुंड में दो शावक भी शामिल हैं. ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी है और बड़ी संख्या में लोग हाथियों को जंगल की ओर भगाने की कोशिश कर रहे हैं. यह घटना खरसिया और धर्मजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र से लगे जंगल क्षेत्र की है. वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर

हाथियों को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने की कोशिश में जुटी है. इस दौरान लोगों से अपील की गई है कि वे हाथियों के करीब न जाएं और सतर्क रहें।

शांति का एक दशक एकता का ये भव्य क्षण

रायपुर। कोलंबिया की राजधानी बोगोटा स्थित प्रतिष्ठित प्लाजा ला सांता मारिया में हजारों लोग एकत्र हुए, जहां गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के साथ 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव मनाया गया। इस वर्ष का उत्सव विशेष महत्व रखता था– यह कोलंबिया में एक दशक की शांति का प्रतीक था।दस वर्ष पूर्व, एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, कोलंबियाई सरकार और एफएआरसी गुरिल्ला समूह के बीच एक शांति समझौता हुआ था, जिससे दशकों पुराने सशस्त्र संघर्ष का अंत हुआ। इस शांति प्रक्रिया में गुरुदेव ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।आज बोगोटा में योग दिवस का नेतृत्व करते हुए, गुरुदेव ने उपस्थित जनसमूह को स्मरण कराया, हमें योग को केवल एक शारीरिक व्यायाम मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह हमारे मन की एक अवस्था है।

खास-खबर 500 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जिनमें ज्यादातर छायादार-फलदार दोनों प्रकार के वृक्ष शामिल

रायगढ़ पुलिस लाइन के फायरिंग रेंज में वृक्षारोपण किया गया

विजय मत, रायगढ़

मानसून की पहली फुहारों के साथ ही रायगढ़ पुलिस ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायी पहल करते हुए ग्राम उर्दना स्थित जिला पुलिस की फायरिंग रेंज भूमि पर व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा-निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत अब तक 500 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जिनमें ज्यादातर छायादार और फलदार दोनों प्रकार के वृक्ष शामिल हैं।

हर वर्ष की तरह इस बार भी पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र की रिक्त भूमि पर अधिकाधिक पौधारोपण करें। इसी क्रम में उर्दना की साढ़े चार एकड़ भूमि पर स्थित फायरिंग रेंज में

पुलिस जवानों और अधिकारियों ने स्वयं अपने हाथों से पौधे लगाकर अभियान को जनभागीदारी का रूप दिया।

आज सुबह स्वयं पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने फायरिंग रेंज पहुंचकर वृक्षारोपण कार्य का निरीक्षण किया और जवानों के साथ मिलकर श्रमदान करते हुए पौधे लगाए। वहीं आज सुबह रक्षित केंद्र एवं एसपी ऑफिस के जवानों द्वारा भी 200 अतिरिक्त पौधे लगाए गए।

पौधों की सुरक्षा हेतु पशुओं से बचाव के लिए मेड तैयार की गई है और बांस से घेराव किया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों ने वृक्षों की देखभाल और उन्हें सुरक्षित संरक्षित रखने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान डीएसपी सुशांतो बनर्जी, रक्षित निरीक्षक अमित सिंह, उप निरीक्षक मनीराम सोनवानी सहित अन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। पुलिस की यह हरियाली पहल जहां एक ओर जिले की जलवायु और पारिस्थितिकी को संबल प्रदान करेगी, वहीं पुलिस विभाग की सामाजिक व पर्यावरणीय जिम्मेदारियों की मिसाल भी बनेगी।

होटलों और ढाबों में प्रशासन का छापा, सैंपल भेजी गई लैब

विजय मत, बलौदाबाजार

कलेक्टर दीपक सोनी के निदेर्शानुसार बारिश के मौसम में खाद्य जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों के होटल, ढाबों, होलसेलर, रिटेलर, मिठाई दुकानों में विधिक एवं सर्विलांस नमूना जांच की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को 5 प्रतिष्ठानों में दबिश देकर खाद्य पदार्थो की जांच की गई तथा सैम्पल लेकर जाँच हेतु राज्य प्रयोगशाला एवं अन्य लैब भेजा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी उमेश वर्मा ने बताया कि जांच टीम के द्वारा रवान में शुभम किराना से कुकीज एवं आटा सहित 5 खाद्य पदार्थो की जांच व सैम्पल ली गई।

इसी तरह लवन में कृष्णा स्वीट्स से 2 प्रकार का यूज्ड कुकिंग ऑयल,भाटापारा में हुसैनी सेल्स से चाय पत्ती, ओट्स, बिस्किट्स, कॉर्न फ्लैक्स,श्री गुरुनानक होटल से राइस कुक्ड, खाद्य तेल, चिकन करी, यूज्ड कुकिंग ऑयल,लाहौद में नॉन स्टॉप ढाबा से लाहौरी जीरा कोल्डड्रिंक, कॉपर वाटर ,अरहर दाल, छोले चना सैंपल लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला एवं अन्य लैब भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

पति का झूठ हाईकोर्ट में पकड़ा गया, तलाक नामंजूर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर के फैमिली कोर्ट के पति के पक्ष में दिए गए तलाक के फैसले को रद्द कर दिया है। फैमिली कोर्ट ने पत्नी को क्रूरता और परित्याग का दोषी ठहराते हुए तलाक मंजूर किया गया था। लेकिन पति आरोप साबित नहीं कर सका। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि पति के आरोप साबित नहीं हुए, जबकि पत्नी के पक्ष में प्रताड़ना के पुख्ता सबूत हैं। बिलासपुर में रहने वाले व्यक्ति की शादी जून 2015 में मुंगेली में रहने वाली महिला के साथ हुई थी। पति के अनुसार शादी के कुछ समय बाद ही पत्नी उसके माता-पिता के साथ रहने को तैयार नहीं थी, झगड़े करती थी। आरोप लगाती थी कि उसका अपनी भाभी से अवैध संबंध है। पति ने यह भी कहा कि पत्नी बार-बार मायके चली जाती थी और वापस नहीं आती थी। आखिरकार मार्च 2018 में उसके साथ रहने से इनकार करते हुए अपने मायके चली गई।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

विजय मत, धमतरी

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना अर्जुनी पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अर्जुनी थाना को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति हरफतराई मुख्य नहर मार्ग की ओर से टीव्हीएस रेडियन मोटरसाइकिल में अवैध रूप से शराब लेकर बिक्री हेतु परिवहन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर तत्काल घेराबंदी कर पुलिस ने संदिग्ध युवकों को रोका जिसने अपना नाम टिकेश्वर साहू और दूसरे ने कृत राम उर्फ प्रित यादव बताया, जांच के दौरान दोनों के पास से निम्न सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह शराब को

अवैध बिक्री हेतु परिवहन कर रहे थे। अर्जुनी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी टिकेश्वर साहू पिता रामविलास साहू उम्र 37 वर्ष साकीन डोंडकी, थाना अर्जुनी कृतराम उर्फ प्रित यादव पिता फिरता राम यादव उम्र 35 वर्ष, साकीन, अर्जुनी।

होटल मालिक भारी मात्रा में शराब के साथ गिरफ्तार

पेंड्रा। कोटमी चौकी क्षेत्र के पैराडाइज होटल में पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के भंडारण का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधीक्षक सुरजन राम भगत के निर्देश पर साइबर सेल और कोटमी चौकी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। होटल और निमार्णाधीन बाड़े में छापेमारी के दौरान होटल संचालक राजेश शर्मा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अकोला चौकी कोटमी का रहने वाला है। उसकी महिंद्रा टीयूवी से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से कुल 52 लीटर शराब और वाहन समेत 3 लाख 96 हजार 200 रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

कुकरी पारा में चाकू लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। कुकरी पारा में चाकू लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार हो गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि कुकरी पारा

बिजली ऑफिस के पास में एक लड़का जो सफेद कलर का फूल शर्ट, पेंट पहना है जो अपने पास अवैध रूप से चाकू रखकर संदिग्ध रूप से घूम रहा है। की सूचना पर तत्काल कोई गंभीर अपराध की घटना घटित न हो की आशंका पर घटनास्थल पर रवाना हुआ। मुखबिर के बताए अनुसार लड़का घटना स्थल पर खड़ा था पुलिस को देख भागने की कोशिश की किंतु पुलिस के तत्परता से आरोपी भागने में असफल रहा। आरोपी का तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से एक लोहे का धार दार चाकू रखे मिला आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 249/2025 धारा 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

रायपुर में ट्रेन पकड़ने वाला था गांजा तस्कर, प्लेटफॉर्म नंबर 7 से गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी 26 वर्षीय आदित्य जाटव को रायपुर रेलवे स्टेशन से गांजा तस्करी के आरोप में जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 21 जून को रात 9:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर की गई, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। पुलिस अधीक्षक रेल रायपुर श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा और उप पुलिस अधीक्षक एस.एन. अख्तर के निर्देश पर ट्रेनों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए यह अभियान चलाया गया।

पुलिस ने आरोपी आदित्य जाटव (पिता जगदम्मा उर्फ महेश जाटव, पताः शकरपुर जामा मस्जिद के पास, थाना बहोड़ापुर, जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश) के कब्जे से 10 पैकेट में 10 किलो 560 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी

अनुमानित कीमत 2,11,200 रुपये है. साथ ही, आरोपी का मोबाइल भी जब्त किया गया. उसे एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने उड़ीसा के नुआपाड़ा से गांजा खरीदा था और उसे ट्रेन के जरिए ग्वालियर ले जा रहा था।

कुएं में मिला बच्चों का शव, मचा हड़कंप, जांच में जुटी दुर्ग पुलिस

विजय मत, दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो बच्चों के शव अलग-अलग किसानों की बाड़ी के कुएं में मिले हैं। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। दो बच्चों के शव मिलने की पुष्टि अमलेश्वर थाना पुलिस ने की है। यह घटना पाटन ब्लॉक के खम्हरिया गांव की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गांव

वालों से सूचना मिली कि दो कुओं से दुर्गंध आ रही है। जिसके बाद अमलेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को कुएं से बाहर निकलवाया। दिल दहला देने वाली बात यह है कि दोनों बच्चों के हाथ-पैर कपड़े से बंधे हुए थे, जिससे प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। दोनों बच्चों के शव करीब चार दिन पुराने बताए जा रहे हैं। एक बच्चे की उम्र करीब 10 वर्ष और दूसरे की लगभग 12 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल दोनों के शवों की शिनाख्ती नहीं हो पाई है। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मौत के मातम में सीएमएचओ का मजाक पड़ा भारी

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के ग्राम तरौद में उल्टी-दस्त से फैली बीमारी ने एक युवक की जान ले ली, जबकि 30 से अधिक लोग इससे बीमार हैं। शुक्रवार को 40 वर्षीय मोहित निषाद की उल्टी-दस्त से मौत हो गई, और चार अन्य लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। गांव में इलाज के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, लेकिन इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. महेश सूर्यवंशी की एक टिप्पणी ने ग्रामीणों का गुस्सा भड़का दिया। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए जमकर हंगामा किया, जिसके बाद उटलड को कैमरे के सामने माफी मांगनी पड़ी। स्वास्थ्य शिविर के दौरान मृतक के चाचा बिट्ठल निषाद (65 वर्ष) को डफ्र पैकेट देते समय सीएमएचओ डॉ. महेश सूर्यवंशी ने कहा कि इसे शराब के साथ घोलकर नहीं पीना चाहिए।

महिला से छेड़खानी आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। एसपी दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन पर महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महिला थाना की टीम ने छेड़खानी के गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुनील मिश्रा (उम्र 39 वर्ष), निवासी सोनिया नगर, चुना भट्टी के पास, थाना कोतवाली रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना 21 जून की रात का है, जब थाना चक्रधरनगर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सुनील मिश्रा पिछले दो वर्षों से उसे अनावश्यक रूप से परेशान कर रहा है, और पूर्व में भी उसने रात्रि में घर में घुसने का प्रयास किया था। पीड़िता के अनुसार, समझाने के बावजूद आरोपी की हरकतें बंद नहीं हुईं।

50 लाख जब्त कर 10 लाख बताया जुआ फंड में हुई कार्रवाई पर जांच शुरू

विजय मत, दुर्ग

जिले के अंजोरा पुलिस चौकी पुलिस ने पिछले दिनों जुए के फड़ में रेड कर एक बड़ी कार्रवाई की थी, लेकिन इसी कार्रवाई को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। जिले के पुलिस कप्तान ने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश जारी किए हैं। 16 जून को अंजोरा पुलिस ने दुर्ग स्थित पृथ्वी पैलेस होटल के ठीक पीछे खाली मैदान से जुआ खेलते 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की थी। पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस मामले में 10 लाख 82 हजार रुपये साथ ही कई मोबाइल जब्त करने की जानकारी दी थी। कार्यवाही के तीन दिन बाद पकड़े गए जुआरियों ने ही छूटने के बाद शहर में चर्चा का विषय बना मामला गरमा दिया। जिन युवकों पर कार्रवाई की गई थी। वे दुर्ग जिले के संभ्रांत परिवार से आते हैं। इनमें से कई बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान से जुड़े है। उन्होंने रद्द से

द्वेषपूर्ण कार्रवाई को लेकर शिकायत की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। दरअसल पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जुए के फड़ का स्थान पृथ्वी पैलेस के पीछे बताया था। जबकि डेढ़ महीने से पृथ्वी पैलेस के विला-2 में ही जुआ का फड़ सज रहा था। इसमें बड़े परिवार के युवाओं के द्वारा दांव लगाए जा रहे थे। लेकिन मुखबिरी पर पुलिस के आला अधिकारियों सहित अंजोरा चौकी पुलिस द्वारा जब रेड कारवाई की गई। तब स्थान को बदलकर पैलेस के पीछे का स्थान बताया गया। वही जिन युवकों को पकड़ा गया था। उन्होंने दबे मुंह मौके पर से 50 लाख रुपए से अधिक की रकम होने की बात बताई है। लेकिन इन सब बातो में कितनी सत्यता है। यह तो जांच के बाद स्पष्ट हो पायेगा। जिसको लेकर अब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा निर्देश जारी किया गया है। हमने इस मामले को लेकर पृथ्वी पैलेस के प्रबंधन से भी उनका पक्ष जानने का प्रयास किया। लेकिन उनके तरफ से कोई प्रतिक्रिया नही आई है।

पत्नी को मेडिकल स्टोर में दवा मिलने में हुई देरी, शराबी पति ने मचाया तांडव

रायपुर/ भिलाई। भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के मुख्य द्वार पर संचालित धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर में शनिवार को तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने मेडिकल स्टोर में जमकर उत्पात मचाया, पेटीएम मशीन तोड़ दी और मेडिकल स्टाफ की पिटाई कर दी। पूरी घटना स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, एक महिला दवा लेने के लिए मेडिकल स्टोर पहुंची थी। दवा लेने में देरी होने पर उसने अपने पति को फोन कर बुलाया। आरोप है कि महिला का पति शराब के नशे में था और स्टोर पहुंचते ही उसने हंगामा शुरू कर दिया। गुस्से में उसने स्टोर में तोड़फोड़ की, पेटीएम मशीन को नुकसान पहुंचाया और वहां मौजूद मेडिकल स्टाफ के साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही सुपेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान शुरू कर दी है और मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धन्वंतरी योजना के तहत संचालित यह मेडिकल स्टोर सस्ती और जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराता है, जिससे आम जनता को काफी सुविधा मिलती है।

निरीक्षण करने पहुंची वन विभाग की टीम पर लाठी-डंडे से हमला

विजय मत, बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद में परकुलेशन टैंक का निरीक्षण करने पेवारी गांव पहुंची वन विभाग की टीम पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हमला कर दिया. 50 से 60 की संख्या में ग्रामीणों ने लाठी-डंडे के साथ हमला किया, जिसमें चार वनकर्मी घायल हो गए हैं. वहीं हमले में 5-7 महिलाओं को भी चोटें आई है. टीम को जान बचाकर वहां से भागना पड़ा.

जानकारी के अनुसार, डीप्टी रेंजर, वनपाल, दो फॉरेस्ट गार्ड की टीम डौंडी वन परिक्षेत्र अंतर्गत पेवारी कक्ष क्रमांक 156 में परकुलेशन टैंक का निरीक्षण करने पहुंचे थे. इस दौरान अचानक लगभग 50 से 60 की संख्या में ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से टीम पर हमला कर दिया. घटना के दौरान टीम के साथ ड्राइवर और दो चौकीदार भी मौजूद थे. हमले में चारों वनकर्मी घायल हो

डिप्टी रेंजर समेत 4 घायल

गए. ग्रामीणों ने कक्ष क्रमांक 156 में काम करने वाली 5-7 महिलाओं पर भी हमला किया. सभी ने भागकर अपनी जान बचाई.

घायलों को डौंडी स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया है. वहीं मामले में वन विभाग की ओर से डौंडी थाना में हमला करने वाले ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है. वहीं ग्रमीण भी वनकर्मियों के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे, लेकिन कुछ देर बाद लौट गए.

घटना को लेकर डौंडी वन परिक्षेत्र के रेंज अफसर जीवन भोंडेकर ने बताया कि पेवारी कक्ष क्रमांक 156 में परकुलेशन टैंक का निरक्षण करने के लिए वन विभाग की टीम पहुंची थी. लेकिन इस बीच ग्रामीणों ने हमला कर दिया, जिससे वनकर्मी घायल हो गए. फिलहाल हमला करने वालों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी है.

विधायक-कर्मचारी अस्पताल की व्यवस्था पर आपस में भिड़े

विजय मत, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिला अस्पताल की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर बात कुछ ऐसी बिगड़ी कि कर्मचारी और विधायक प्रतिनिधि आपस में भिड़ गए. देर रात जिला अस्पताल के सामने हुई घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है. बताया जा रहा है कि कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के जिला अस्पताल के प्रतिनिधि सीनू राव के साथ जिला अस्पताल के ही कर्मचारी यादवेंद्र कश्यप और उनके पिता ने मारपीट की. सीसीटीवी फुटेज में घटना के दौरान वहां मौजूद स्टाफ दोनों पक्षों को अलग करते हुए नजर आ रहे हैं. मिली जानकारी अनुसार, विधायक प्रतिनिधि और अस्पताल के कर्मचारी के बीच अस्पताल की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर बात चल रही थी. इस दौरान कहा-सुनी देखते-देखते इतनी बढ़ गयी कि दोनों के बीच झड़प होने लगी, जो जल्द मारपीट में तब्दील हो गई. चश्मदीद बताते हैं कि

अस्पताल के कर्मचारी यादवेंद्र कश्यप ने विधायक प्रतिनिधि सीनू राव को पहचानने से इंकार करते हुए इनोवा गाड़ी से उतरते हुए गर्दन पकड़ ली, और फिर गला पकड़ने तक पहुंच गई, जिसके बाद लात-घूंसे चलाने लगे. यादवेंद्र कश्यप के साथ मौजूद उनके पिता भी चप्पल उठाकर विधायक प्रतिनिधि को मारते हुए नजर आ रहे हैं. घटना के बाद कोटा विधायक प्रतिनिधि सीनू राव मामले में लिखित शिकायत की तैयारी कर रहे हैं. घटना में शामिल यादवेंद्र कश्यप पर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं के अलावा प्रबंधन की भी जिम्मा है. उनका व्यवहार कहीं न कहीं अस्पताल की अव्यवस्थाओं को उजागर करता है.

ऊर्जाधानी में भू-माफिया बेलगाम, दिनदहाड़े कब्जा करने जेसीबी लेकर पहुंचे, कब्जेधारी से की मारपीट

कोरबा। प्रदेश की ऊर्जाधानी में भू-माफिया बेलगाम हो गए हैं, उन्हें कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। इसका नजारा शनिवार को देखने को मिला, जब दूसरे के कब्जे की जमीन पर कब्जा करने जेसीबी लेकर युवक पहुंच गए, और मौके पर कब्जाधारी को देख उसके बेरहमी से पिटाई भी कर दी। मामला कोतवाली कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर के पीछे खाली पड़ी निगम की जमीन पर कब्जा का है। जहाँ बेजा कब्जा करने जेसीबी लेकर आरोपी पहुंच गए। विरोध करने पर पहले से ही कब्जाधारी युवक की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट की सारी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इस मामले में कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि मारपीट की घटना के बाद विनोद साहू और उसके बेटे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर मनोज चौहान, बिट्टू चौहान और पिंटू चौहान के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

दो अलग-अलग मामले में 70 लाख की ठगी, मामला दर्ज

विजय मत, बिलासपुर

न्यायधानी बिलासपुर से 70 लाख रुपए की ठगी के दो मामले सामने आए हैं. नौकरी दिलाने और शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे के नाम पर यह ठगी की गई है. दोनों ही मामले सिविल लाइन थाना क्षेत्र के हैं. पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

उच्च अधिकारियों से जान पहचान नौकरी दिलाने का झांसा

युवती समेत दो शातिर ओारोपियों ने अलग-अलग लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर 50 लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया. आरोपियों ने लोगों को उच्च अधिकारियों से जान पहचान होने की बात कहकर झांसे में ले लिया. कुल 6 लोगों से 50 लाख रुपए लेकर दोनों आरोपी फरार हो गए हैं. सिविल लाइन थाना में ठगी करने वाली युवती सहित दो लोगों के

खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

मुनाफे के लालच में गवाएं 20 लाख रुपए: शहर के जगमल चौक निवासी राहुल ठक्कर ठगी का शिकार हुआ है. शातिर ओारोपी ने युवक को शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने की बात कही. आरोपी ने युवक राहुल को झांसा देकर 20 लाख रुपए ठग लिए. इसके बाद पीड़ित ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर आरोपी आदित्य यादव के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दी. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

जूठही फाटक के पास ट्रेन के आगे कूदी महिला की मौत, बच्चे सुरक्षीत

विजय मत, जांजगीर

जांजगीर के ग्राम कोटमीसोनार के जूठही फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक महिला ने मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी. महिला की पहचान ग्राम दरीटांड़ निवासी शिवकुमारी नायक (26) के रूप में हुई. घटना के समय महिला के साथ उसका 6 महीने का बेटा भी मौजूद था. बच्चा पूरी तरह सुरक्षित रहा. उसके ऊपर से कई ट्रेनें गुजर गईं, लेकिन उसे खरोंच तक नहीं आई. बताया गया है कि शुक्रवार रात 9 बजे शिवकुमारी और उसके पति मंतराम नायक के बीच खाना खाने समय विवाद हुआ. इसके बाद दोनों बच्चे के साथ सोने चले गए. रात 10 बजे मंतराम की नींद खुली तो पत्नी और बच्चा कमरे से गायब

थे. मंतराम ने तब तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली. रात 12 बजे मालगाड़ी के चालक ने ट्रैक पर महिला और बच्चे को देखा. उसने तुरंत ट्रेन रोकी और स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी. इसके बाद जीआरपी और अकलतरा पुलिस तत्काल घटना स्थल पहुंची और रेलवे ट्रैक में एक महिला को मृत अवस्था में पाया, वहीं मृतिका के पास उसका बेटा भी पड़ा मिला. जिसे देखने पर बच्चा जीवित मिला. पुलिस ने तत्काल बच्चे को अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे सुरक्षित रखा और मृतकों की पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया और पहचान कार्रवाई. पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि घटना के बाद से मृतिका की पहचान दरीतांड गाँव की रहने वाली शिव कुमारी नायक के रूप में हुई.

पुस्तैनी जमीन के मुआवजा-हिस्सेदारी विवाद में भतीजे की हत्या, चाचा गिरफ्तार

विजय मत, रायगढ़

घरघोड़ा पुलिस ने घरेलू विवाद के चलते अपने ही भतीजे की लकड़ी के बहिंगा से हत्या करने वाले 70 वर्षीय आरोपी मंगलू राठिया को गिरफ्तार कर हत्या के आरोप में न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला ग्राम कुमीभौना (सुकबासीपारा) का है, जहां एक ही परिवार के पवन कुमार राठिया (40 साल) और उसके बड़े पिता मंगलूराम राठिया का पुस्तैनी भूमि ग्राम कुमीभौना में लगभग 9 एकड़ की समलाती भूमि दर्ज है, जिसे एसईसीएल बरौद कोयला खदान द्वारा अधिग्रहित किया जाना प्रस्तावित है। जमीन अधिग्रहण से मिलने वाले मुआवजा को लेकर परिवार में तनाव बना हुआ था। इसी बीच मंगलूराम जमीन के ऐवज में ?2,00,000 गांव में उधार लिया था जिसकी जानकारी पर पवन हिस्सा चाहता था और 20 जून की शाम पवन कुमार अपने बड़े पिता मंगलू राठिया

के घर उधार रकम से हिस्से की रकम मांगने गया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसमें गुस्से में आकर मंगलू राठिया ने धौंरा लकड़ी के बहिंगा से पवन के सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल पवन को परिजनों द्वारा पहले सीएचसी घरघोड़ा और फिर मेडिकल कॉलेज रायगढ़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना चक्रधरनगर में दर्ज बिना नंबरी मर्ग डायरी 21 जून को थाना घरघोड़ा को प्राप्त हुई। घरघोड़ा पुलिस ने डायरी मिलने पर असल मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदांबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादस से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

फुटबॉल

कैलीफेर्निया में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए रिवर प्लेट और सीएफ मोंटेरी के खिलाड़ी।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए: कोटक

लीड्स, एजेंसी

इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था।

कोटक ने कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।

शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

वहीं उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में भी कहा कि वह अपनी अपनी योजनाएं खुद बनाते हैं और तय करते हैं कि कैसे खेलना है और फिर बल्लेबाजी करते जिन्होंने यहां पहली ही पारी में 178 गेंदों पर 134 रन बनाए। साथ ही कहा कि ऋषभ की ये पारी सामान्य शैली से थोड़ी अलग थी पर ये उनकी योजना का ही हिस्सा था। वह पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाये थे जिसको देखते हुए अन्होंन इस पारी में अपना अंदाज बदला है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौर में उनपर लापरवाही से बल्लेबाजी के आरोप लगे थे।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर

रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा।

कार्तिक ने साथ ही कहा,क्र ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।क्र कार्तिक ने साथ ही कहा, वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन, एजेंसी

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।÷

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, ÷मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।÷

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा।

बिजनेस

सोयाबीन व मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे रहे

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला तेल में तेजी, मूंगफली में गिरावट रही

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल, सरसों तेल-तिलहन के भाव में तेजी का रुख रहा। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के अच्छे दाम नहीं मिलने और तेल पेराई मिलों की मांग में कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के भाव पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश का तेल-तिलहन कारोबार मुख्यत- शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है, जहां लगभग पूरे सप्ताह तेजी बनी रही। विदेशी बाजारों की इस तेजी की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा सोयाबीन तेल कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार आया। लेकिन सोयाबीन डीओसी के बेहतर दाम नहीं मिलने की वजह से देशी पेराई मिलें सोयाबीन खरीद में कम दिलचस्पी ले रही हैं। इसके अलावा हाजिर बाजार में सोयाबीन के साथ-साथ मूंगफली

का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे है। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 4,425-4,475 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बने रहे। वहीं सोयाबीन दिल्ली का दाम 100 रुपये बढ़कर 12,700 रुपये, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये तेज होकर 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली फसल मंडियों में आने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये टूटकर 5,675-6,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश- 150 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 13,650 रुपये क्विंटल और 2,210-2,510 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये बढ़कर 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये बढकर 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 150 रुपये बढ़कर 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रति लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अधिकारी ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

भारतीय बाजार में बिक्री बढ़ाने यूरोपीय ब्रांड कर रहे संघर्ष

नई दिल्ली। पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में यूरोपीय ब्रांडों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली एक कंपनी ने कहा कि भारत में रेनों की बिक्री में बड़ी गिरावट देखी गई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024-25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023-24 में 45,439 इकाई और 2022-23 में 78,926 इकाई था। इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024-25 में 44,866 इकाई रही।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

- निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई, एजेंसी

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है। सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने

निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारत का म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रहा है। इस समय इसका कुल एयूएम 72 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है और हर महीने एसआईपी के जरिए 28,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। लेकिन 140 करोड़ की आबादी में सिर्फ 5 करोड़ लोग ही म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2017 के बाद सेबी के निवेशक जागरूकता अभियान से म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या बढ़ी है।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों का कारोबार भी शेयर बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई, एजेंसी

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की

कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नज़र रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह पहुंचे रायपुर, मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्रियों ने किया स्वागत

विजय मत, रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज दो दिवसीय छग दौरे पर रायपुर पहुंचे. रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, DGP अरुण देव गौतम ने उनका स्वागत किया.

इस मौके पर वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक धर्मलाल कौशिक, किरण देव, अमर अग्रवाल, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब , मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह उपस्थित रहे। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक शाह 22 जून को दोपहर 1.45 बजे रायपुर पहुंचेंगे. माना विमानतल से सीधे नवा रायपुर अटल नगर स्थित बंजारी सेक्टर-2 जाएंगे, जहां नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के रायपुर परिसर के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह यहां से दोपहर 2.50 बजे होटल मेफेयर रिसॉर्ट पहुंचेंगे. यहां लंच कर दोपहर 3.15 बजे से 4.15 बजे तक एनएफएसयू और सीएफएसयू के परिसरों के उद्घाटन व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे।

न्यूज विंडो

शराब से भरी बोतल में तैरता मिला कीड़ा

रायपुर। राजधानी रायपुर के छेरीखेड़ी स्थित सरकारी शराब दुकान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक ग्राहक ने खरीदी गई शराब की बोतल में कीड़ा तैरता देखा। इस घटना का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक युवक छेरीखेड़ी शराब दुकान से गोवा ब्रांड की देशी शराब की बोतल खरीदकर ले गया। जब उसने बोतल को ध्यान से देखा तो उसमें कीड़ा तैरता मिला। युवक ने नाराज होकर शराब की बोतल वापस करने की कोशिश की, लेकिन दुकान कर्मियों ने न सिर्फ बोतल बदलने से इनकार कर दिया बल्कि उससे बदसलूकी भी की। ग्राहक का आरोप है कि शराब की पैकिंग में लापरवाही या मिलावट के चलते बोतल में कीड़ा पहुंचा होगा। बताया जा रहा है कि सरकारी दुकानों में बीआईएस ठेका कंपनी के प्राइवेट कर्मचारी शराब बेच रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में राजधानी में मिलावटी और बिना होलोग्राम वाली शराब का जखीरा भी बरामद किया गया था। अब शराब की बोतल में कीड़ा मिलने की घटना से शराब प्रेमियों में डर और असमंजस की स्थिति बन गई है।

भूपेश बघेल के करीबी केके श्रीवास्तव को EOW ने किया गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति और अफसरशाही से जुड़े एक बड़े ठगी और धोखाधड़ी के मामले में मुख्य आरोपी केके श्रीवास्तव को आखिरकार EOW और रायपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने भोपाल से हिरासत में ले लिया है। लंबे समय से फरार चल रहा केके श्रीवास्तव, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का करीबी माना जाता रहा है, भोपाल के एक होटल में अपने परिवार के साथ छिपा हुआ था। ठेका दिलाने के नाम पर 15 करोड़ की ठगी केके श्रीवास्तव पर आरोप है कि उसने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 500 करोड़ रुपये का ठेका दिलवाने का झांसा देकर दिल्ली की कंस्ट्रक्शन कंपनी रावत एसोसिएट के मालिक अशोक रावत से 15 करोड़ रुपये की ठगी की। एफआईआर के अनुसार, तय डेडलाइन तक जब ठेका नहीं मिला और पैसे भी नहीं लौटाए गए, तो पीड़ित की चेतावनी के बाद श्रीवास्तव ने 3.40 करोड़ रुपये लौटाए और तीन चेक (तीनों 3 करोड़ के) दिए, जो बाद में बाउंस हो गए।

उप मुख्यमंत्री साव के जनदर्शन में हुआ हंगामा

नाराज ग्रामीणों ने भेदभाव का आरोप लगाते हुए डीएफओ का किया घेराव

विजय मत, रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान आम लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान खुड़िया वनपरिक्षेत्र इलाके में वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के दौरान भेदभाव का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने डीएफओ का घेराव कर दिया।

बता दें कि खुड़िया वनपरिक्षेत्र इलाके में 30 एकड़ से अधिक वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संबंधित विभाग की टीम द्वारा कुछ दिनों पहले ही करते हुए वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। जिसको लेकर अब अन्य कब्जाधारी ग्रामीणों द्वारा पक्षपात का आरोप लगाते हुए वन विभाग के अधिकारी का विरोध किया जा रहा है।

इस बीच क्षेत्र के भाजपा नेता हुक्मीचंद जायसवाल ने खुड़िया रेंजर रुद्र राठौर पर गंभीर आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में बीच का रास्ता निकालने कारीडोंगरी स्थित फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में ग्रामीणों के साथ उन्हें बुलाया था। अन्य वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में तत्कालीन रेंजर रुद्र कुमार राठौर ने कहा कि यहां मैं हूं, इसमें ना एसडीओ कुछ करेगा, ना डीएफओ कुछ करेगा, ना विधायक कुछ करेगा, ना प्रधानमंत्री करेगा। जो मैं करूंगा वही होगा।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता श्याम सिंह राजपूत ने भी वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों पर कक्ष क्रमांक 1523 पर हुए अतिक्रमण की कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाते हुए उप मुख्यमंत्री के जनदर्शन के बीच डीएफओ अभिनव कुमार का घेराव कर दिए। ग्रामीणों का आरोप है कि अतिक्रमण के कार्यवाही में चेहरा देख-देख कर वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा कार्रवाई की गई है।

ग्रामीणों का कहना है यदि कार्रवाई करना ही है, तो सबके ऊपर समान कार्रवाई की जाए और यदि नहीं करना है तो लंबे समय से काबिज लोगों के मिट्टी नुमा मकान को नहीं उजाड़ा जाए। उन्हें भी पट्टा दे देना चाहिए।

जांच के बाद सच्चाई पर होगा अमल

खुड़िया इलाके में हुए अतिक्रमण कार्यवाही के मामले में डीएफओ अभिनव कुमार ने कहा कि इंक्रोचमेंट की कार्रवाई के खिलाफ शिकायत मिली है, जिसकी मैं मौके पर जाकर जांच करूंगा। जो भी सच्चाई होगी, उस पर अमल होगा। जिस जमीन का पट्टा नहीं मिला, उसमें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, इस बीच उन्होंने जांच में यदि किसी स्टाफ की संलिप्तता मिलेगी तो शासन से कार्रवाई के लिए दरख्वास्त करने की बात कही है।

व्यवस्थापन के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे शुक्रवारी बाजार के फुटकर व्यापारी

विजय मत, रायपुर

गरियाबंद। पालिका के शुक्रवारी बाजार फुटकर व्यापारी व्यवस्थापन के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे हैं। व्यापारियों ने पालिका प्रशासन आबंटन में भेदभाव का आरोप लगाया है। इसके जवाब में पालिका अध्यक्ष ने शेड चबूतरा निर्माण पूरा होने के बाद ही व्यवस्थापन की बात कही है। गरियाबंद मुख्यालय में स्थित बाजार में पिछले 15-20 वर्षों से मनिहारी, कपड़ा और चूड़ी बेचने वाले 50 से ज्यादा फुटकर व्यापारी नगर पालिका द्वारा किए गए बाजार आबंटन के खिलाफ लामबद्ध हो गए हैं। इनमें से पांच महिला समेत 9 व्यापारी शनिवार सुबह से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। गांधी मैदान में जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का प्रशासन भी लगातार मॉनिटरिंग तो कर रही है, पर कोई भी उनकी मांगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म करने आगे नहीं आ रहे। महिलाएं छोटे बच्चे को लेकर बैठी हैं। आज दोपहर से हो रहे बारिश से धरना स्थल भी पानी से भीग गया है। ऐसे में बीमार पड़ने की भी आशंका बढ़ गई है। भूख हड़ताल में बैठे टिकेश्वरी योगी, निहाल नेकराम, पुरुषोत्तम सिन्हा, शहजादी बेगम, प्रिया वर्मा का शुगर लेवल डाउन हो गया है। जिला अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए ग्लूकोज चढ़ाने की सलाह दी है। लेकिन अपनी मांगों को मनाने पर अड़े व्यापारियों ने सलाह नहीं मानी।

कांग्रेस का अमित शाह से सवाल डबल इंजिन की दुहाई देते थे

अब क्यों किसानों को खाद क्यों नहीं मिल रही

विजय मत, रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया है चुनाव के पहले आप खुद राज्य की जनता से डबल इंजिन की सरकार की दुहाई दे कर वोट देने की अपील करते थे। अब राज्य मे डबल इंजन की सरकार है फिर राज्य का क्या भला हुआ।

मानसून आने के बाद भी किसानो को खाद बीज नहीं मिल रहा केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के कोटे का डीए पी, और अन्य उर्वरक उपलब्ध नहीं करवा रहा किसान परेशान है ऐसे डबल इंजिन का क्या भरोसा ज़ब राज्य के किसान अपनी प्रमुख फ़सल ही नहीं ले पा रहे

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा राज्य मे समर्थन मूल्य पर खरीदा गया 35 लाख मिट्रिक टन धान आज भी खुले मे पड़ा है राज्य सरकार के पास इस धान के निपटान की कोई योजना नहीं है इससे राज्य के किसानो के द्वारा पैदा किया गया हजारों करोड़ के धान के सड़ कर खराब होने की पूरी संभावना है. ।केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सेन्ट्रल पुल के कोटे को क्यों नहीं बढ़ाती है यदि केंद्र राज्य के चावल के कोटे को बढ़ा दे तो यह स्थित सुधर जाय।इस पर आप कोई निर्णय क्यों नहीं लेते।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने अमित शाह से पूछा की आज भी बस्तर मे आदिवासी असुरक्षित है रोज उनकी हत्या हो रही इस पर उनकी सरकार क्या करेगी? आदिवासियों की सुरक्षा की गारंटी डबल इंजन की सरकार क्यों नहीं लेती?

बस्तर के खनिज संसाधनों को डबल इंजिन की सरकार क्यों बेच रही?। एन एम डीसी का मुख्यालय बस्तर क्यों नहीं ला रहे? बस्तर के युवाओं को एनमडीसी की भर्ती मे प्रथमिकता क्यों नहीं दी जा रही? शाह बताए डबल इंजिन की सरकार का छत्तीसगढ़ को क्या फायदा हुआ?

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में बारिश के आसार

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग ने सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर और बस्तर संभागों के 18 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है.

मौसम विभाग ने सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागावं , कांकेर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद , जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है. इन सभी जिलों में गरज-चमक और तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है.

वहीं प्रदेश में 3 दिन बाद मानसून के फिर से सक्रिय होने के आसार हैं. मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम बिहार और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दाब का क्षेत्र बना हुआ है, जिससे जुड़ा ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला है.

एक द्रोणिका पूर्वोत्तर बांग्लादेश से दक्षिण गुजरात तक फैली हुई है, जो समुद्र तल से 3.1 किमी ऊंचाई पर है. दूसरी द्रोणिका मध्य पाकिस्तान से होते हुए मेघालय तक फैली है, जिसकी ऊंचाई 0.9 से 1.5 किमी तक है. ये दोनों प्रणालियां प्रदेश में नमी ला रही हैं और बारिश के लिए अनुकूल वातावरण बना रही हैं.

बीते दिन छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर वर्षा की गतिविधि दर्ज की गई. सरगुजा संभाग के जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा हुई.

करियर लॉन्चर अचीवर्स मीट का आयोजन

- कानून एवं प्रबंधन प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले 50 से अधिक छात्रों का सम्मान

विजय मत, रायपुर

करियर लॉन्चर रायपुर ने अपने वार्षिक अचीवर्स मीट 2025 का आयोजन भव्य रूप से किया, जिसमें क्लेट, एलिट और आईपीएम बीबीए जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम होटल क्लार्क्स इन में आयोजित हुआ और यह सफलता, समर्पण एवं परिश्रम का उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुजाता क्षीरसागर, प्रेसिडेंट एवं चीफ बिजनेस ऑफिसर, करियर लॉन्चर रहीं। उन्होंने सभी प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया और करियर की योजना एवं सफलता के मंत्र साझा किए। --प्रमुख छात्रों की उपलब्धियाँ अनन्य तामस्कर - क्लेट 2025 में अखिल भारतीय रैंक 3, पलक गोयंका - एलिट 2025 में अखिल भारतीय रैंक 27, गोविंद खेतपाल - क्लेट 2025 में अखिल भारतीय रैंक 299, ईशान अग्रवाल, करण लालवानी और अनया चंद्राकर - आईआईएम इंदौर और आईआईएम रोहतक के प्रतिष्ठित आईपीएम कार्यक्रमों में चयनित हुए। 20 से अधिक छात्रों का चयन देश के प्रतिष्ठित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (एनएलयूएस) में हुआ।

खास-खबर जब उम्मीद की डोर थमने लगी तब शालू को 1.70 लाख की सहायता राशि का चेक मिला

मुख्यमंत्री की मदद बनी शालू के सपनों की सीढ़ी

- बेटी, तुम आगे बढ़ो. हम सब तुम्हारे साथ हैं : विष्णुदेव साय

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ की बेटी और 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया के चेहरे पर उस वक्त मुस्कान की लहर दौड़ गई, जब स्वयं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें वीडियो कॉल कर न सिर्फ शुभकामनाएं दीं, बल्कि उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी आर्थिक मदद भी प्रदान किया ।

शालू डहरिया का चयन 14 से 20 जुलाई, 2025 को चीन के सिआन में होने वाली एशिया यूथ सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।छत्तीसगढ़ से इस ओपन टूर्नामेंट के लिए केवल दो महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिनमें शालू डहरिया भी शामिल हैं। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए आवश्यक 1.70 लाख की फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन गई थी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से आने वाली शालू के पिता प्राइवेट सुरक्षा गार्ड हैं और माँ एक छोटे से ब्यूटी पार्लर का संचालन करती हैं।

बावजूद इसके शालू ने आठवीं कक्षा से सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया और अब तक एक गोल्ड मेडल सहित 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने शालू डहरिया को वीडियो कॉल कर कहा बेटी, तुम आगे बढ़ोज् हम सब तुम्हारे साथ हैं। छत्तीसगढ़ को तुम पर गर्व है। अच्छा खेलो, मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। देश और प्रदेश का नाम रोशन करो।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बेटियों को केवल प्रोत्साहित नहीं करती, बल्कि ज़रूरत पडने पर उनके सपनों को पंख देने के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर त्वरित अमल करते हुए जांजगीर चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शालू को 1.70 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

शालू की माता श्रीमती अल्का डहरिया ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की संवेदनशील पहल और आर्थिक सहायता से मेरी बेटी को अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक सीता शुक्ला। प्रधान संपादक विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997